छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

संकल्प

अगस्त 2024 | वर्ष 21 | अंक 03



सुशासन की कमान

नए - नए कीर्तिमान

6,372 मेगावॉट बिजली आपूर्ति : उत्पादन, पारेषण-वितरण तंत्र के बढ़ते कदम



विद्युत विकास के बढ़ते कदम

कार्य	नवम्बर 2000	जुलाई 2024
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	134 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट कि.मी.	14,214 सर्किट कि.मी.
400 केवी उपकेन्द्र	1	4
400 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	945 एम. वी. ए.	3,150 एम. वी. ए.
400 केवी लाइन	277	1,918
220 केवी उपकेन्द्र	5	27
220 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,350 एम. वी. ए.	10,640 एम. वी. ए.
132 केवी लाइन	2,974 कि.मी.	8,146
33/11 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	1,431
33/11 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,033 एम. वी. ए.	9,798 एम. वी. ए.
33 केवी लाइनों की लंबाई	6,988 सर्किट कि.मी.	25,526 कि.मी.
11/04 केवी उपकेन्द्र की संख्या	29,692 नग	2,34,319
11/04 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,951 एम. वी. ए.	13,715 एम. वी. ए.
11 केवी लाइनों की लम्बाई	40,556 कि.मी.	1,36,385
निम्नदाब लाइनों की लम्बाई	51,314 कि.मी.	2,34,511
उपभोक्ताओं की संख्या (निम्नदाब)	18,90,998	63,67,936
उपभोक्ताओं की संख्या (उच्चदाब)	530	3,920
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	5,57,219
अस्थायी पंपों की संख्या	-	2,01,408
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,588
अधिकतम मांग	1,334 मेगावॉट	6,372 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज.की गृह पत्रिका

संकल्प

अगस्त 2024 | वर्ष - 21 | अंक-3

संरक्षक



श्री पी. दयानंद IAS
अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज.



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
उत्पादन कंपनी



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
पारेषण कंपनी



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
वितरण कंपनी

संपादक



उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क

संपादन सहयोग - गोविन्द पटेल, अनामिका मण्डावी,
छाया : संजय टेम्बे
कार्यालय सहयोग : सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे, शुभम बंछोर
फोन : 0771-2574702, 98936-24511
E-mail : procsphcl@gmail.com, powercomu01@gmail.com

क्रम



नये संकल्पों और लक्ष्यों का आगाज	02
उत्कृष्ट कार्यों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार	06
ट्रांसमिशन कंपनी के क्षेत्रीय स्तर के पुरस्कार	07
क्षेत्रीय कार्यालयों में स्वतंत्रता दिवस	08
6,372 मेगावॉट बिजली आपूर्ति का कीर्तिमान	11
श्री भीम सिंह बने प्रबंध निदेशक (वितरण)	13
1000 करोड़ रुपए अनुदान से बिजली बिल में राहत	14
ब्लैक आऊट से निपटने को तैयार हैं हम	15
विद्युत वितरण तंत्र में विस्तार	16
जिन्दगी के अंधेरे उजाले	21
मेरी संस्थान मेरी शान-3	22
परिचयावली	24
अंतरराष्ट्रीय योग दिवस	26
आधी दुनिया	28
पॉवर सेक्टर राउण्डअप	28

नये संकल्पों और लक्ष्यों का आगाज

विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के लिए पॉवर कंपनियों का सर्वोत्तम योगदान दर्ज हो- श्री पी. दयानंद

स्वतंत्रता दिवस 2024 के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री पी. दयानंद ने मुख्यालय, विद्युत सेवा भवन के प्रांगण में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने तीनों कंपनियों के कामकाज की सराहना की तथा उनके योगदान पर प्रकाश डाला। श्री दयानंद ने नये लक्ष्यों और नये संकल्पों की जानकारी दी तथा अमर शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सपनों को पूरा करने के लिए पूरे समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की।







श्री दयानंद का उद्बोधन यहां अविकल रूप से प्रस्तुत है। उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरूआत करते हुए कहा-आज का दिन, हमें विशेष तौर पर यह याद दिलाता है कि फिरंगियों ने भारत की आर्थिक, सामाजिक व्यवस्थाओं को तहस-नहस कर दिया था। हमारे पूर्वजों के त्याग और बलिदान के कारण, भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति मिली थी। माँ भारती ने लगभग 200 वर्षों बाद खुली हवा में सांस ली थी। 15 अगस्त, 1947 को जब हमारा देश आजाद हुआ, तब नये सिरे से सशक्त और स्वावलंबी भारत बनाने का सफर शुरू हुआ।

» विकसित छत्तीसगढ़ बनाना है

बहुत प्रसन्नता का विषय है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब देश और दुनिया में ''आत्मनिर्भर भारत'' की छवि निखरी है और सामाजिक-आर्थिक विकास को नई दिशा मिली है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 'विकसित भारत' की तर्ज पर 'विकसित छत्तीसगढ़' बनाने का महाअभियान छेड़ा गया है। मैं अमर शहीदों तथा सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करते हुए, आप सभी से यह अपील करता हूं कि उनके सपनों को पूरा करने के लिए अपना पूरा योगदान दें।

» नये बिजलीघर स्थापित करने पर जोर

श्री दयानंद ने कहा-साथियों, मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह कुशलता से करते हुए, प्रदेश का नाम रोशन किया है। हमारी पॉवर जनरेशन कंपनी ने विगत वर्ष 84.45 प्रतिशत पीएलएफ, 21 हजार मिलियन यूनिट से अधिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान रचते हुए, पूरे भारत की स्टेट यूटीलिटीज में सर्वप्रथम स्थान हासिल किया है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल और कंपनी के इतिहास में पहली बार हमारे राज्य







को यह गौरव मिला है। आपकी कार्यकुशलता के कारण बिजली घरों में सबसे कम ऑयल और ऑक्जीलरी खपत के नये कीर्तिमान भी बनाए गए हैं। हर उपलब्धि एक प्रतिमान रचती है तो एक नया लक्ष्य भी बनाती है। अब हमारे सामने अपने ही कीर्तिमान से आगे बढ़ने की चुनौती होगी। मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर इस चुनौती में खरे उतरेंगे।

छत्तीसगढ़ में विकास की तेजी के साथ, बिजली की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। जिसे पूरा करने के लिए हमें नये बिजलीघर स्थापित करने हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि 12 हजार 915 करोड़ रूपए की लागत वाले 1 हजार 320 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट, कोरबा पश्चिम के निर्माण हेतु निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। केंद्रीय कोयला मंत्रालय द्वारा इसके लिए कोल लिंकेज की अनुशंसा की जा चुकी है। 5 स्थानों पर पम्प स्टोरेज आधारित 7 हजार 300 मेगावॉट क्षमता की जल विद्युत परियोजनाओं की फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनाई जा चुकी है और डीपीआर बनाने की कार्यवाही प्रगति पर है। कोरबा पूर्व के बंद राखड़ बांध की भूमि पर 30 मेगावॉट की सौर ऊर्जा परियोजना का डीपीआर बना लिया गया है जिसके आधार पर आगामी कार्यवाही शीघ्र की जाएगी। मैं चाहूंगा कि इन सभी विद्युत उत्पादन परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। ये राज्य के विद्युत विकास में मील का पत्थर बनेंगी।



» पारेषण क्षमता बढ़ाने का बड़ा लक्ष्य

उन्होंने कहा-प्रदेश में बिजली की उपलब्धता बढ़ाने का दूसरा उपाय, अन्य विद्युत उत्पादकों तथा अन्य राज्यों से बिजली लेना भी है। इसमें अन्तर्राज्यीय पारेषण क्षमता बढ़ाने की बड़ी भूमिका होती है। प्रसन्नता का विषय है कि हमने केंद्रीय ग्रिड से 6 हजार मेगावॉट बिजली लेने के लिए, अपने पारेषण तंत्र के विस्तार और मजबूतीकरण की दिशा में ठोस प्रगति की है। वर्तमान में लगभग 3 हजार 600 मेगावॉट पारेषण की क्षमता अर्जित कर ली गई है। केंद्रीय ग्रिड में उपलब्ध, पॉवर ट्रांसफर क्षमता बढ़ाने के लिए पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन के उपकेंद्रों से, हमारे अति उच्चदाब उपकेंद्रों तक नई पारेषण लाइनों के निर्माण हेतु 1 हजार 600 करोड़ रूपए के कार्यों की स्वीकृति दी गई है, जिसके अनुरूप कार्य प्रगति पर हैं। इन्हें मार्च 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। पारेषण-संचार नेटवर्क के उन्नयन हेतु 5 हजार 537 किलोमीटर जी.आई. अर्थ वायर को ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर (ओ.पी. जी.डब्ल्यू) से बदलने का कार्य 70 प्रतिशत पूरा हो गया है। अब जल्दी ही हमें शत-प्रतिशत पूर्णता का लक्ष्य हासिल करना है। उन्होंनें कहा-साथियों, मुझे खुशी है कि आप सभी, ऊर्जा क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारी, माननीय मुख्यमंत्री जी के सुशासन के आह्वान से ऊर्जित हुए हैं, और ऊर्जावान होकर पॉवर कंपनी को उपलब्धियों के नये शिखरों पर पहुंचा रहे हैं। पारेषण कंपनी द्वारा विगत 7 माह के अल्प समय में अति उच्चदाब के 2 उपकेंद्र स्थापित किये गये। 132 के.वी. से 220 के.वी. में एक उपकेंद्र का उन्नयन किया गया। नये 12 पॉवर ट्रांसफॉर्मर ऊर्जीकृत किए गए। 203 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइनें बिछाई गई। इन कार्यों से प्रदेश की पारेषण प्रणाली में उच्च दाब ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता, जो राज्य गठन के समय 3 हजार 522 एम.वी.ए थी, वह अब बढ़कर 25 हजार 394 एम.वी.ए हो गई है। 400 के.वी. का एक उपकेंद्र, 220 के.वी क्षमता के 10 उपकेंद्र तथा 132 के.वी क्षमता के 22 उपकेंद्रों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है।

» वितरण कंपनी के कीर्तिमान

उन्होंने कहा-वितरण कंपनी द्वारा विगत 7 माह में 33/11 के.वी क्षमता के 98 उपकेंद्रों का निर्माण किया गया है तथा 45 उपकेंद्रों में स्थापित ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि की गई, 47 अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाये गये। 699 किलोमीटर लाइन





बिछाई गई। 11.04 के.वी क्षमता के 10 हजार 254 नये उपकेंद्र स्थापित किये गये। 11 के.वी तथा निम्नदाब की लगभग 14 हजार किलोमीटर लाइन बिछाई गई। एक हजार 20 गांवों में खुले तारों को 3 हजार 500 किलोमीटर से अधिक ए.बी. केबल में बदला गया।विगत 7 माह में उच्चदाब के 176 तथा निम्नदाब के 1 लाख 1 हजार 400 उपभोक्ता बढ़े हैं। प्रदेश में विरासत में मिली तमाम चुनौतियों के बावजूद 7 माह के सुशासन में 6 हजार 372 मेगावॉट की सर्वोच्च मांग तथा 6 हजार 400 मेगावॉट सर्वाधिक उपलब्धता का कीर्तिमान बनाना संभव हुआ है।

» जनहितकारी योजनाओं की प्रगति सराहनीय

श्री दयानंद ने कहा-मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं कि उन्होंने एक हजार करोड़ रुपए का अनुदान दे कर, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा जून 2024 को किये गये विद्युत दर पुनरीक्षण में, विभिन्न वर्गों के उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दिलाई है। मुझे खुशी है कि अटल ज्योति योजना, कृषक जीवन ज्योति योजना, कृषि पंपों का ऊर्जीकरण, बीपीएल उपभोक्ताओं को निःशुल्क बिजली, मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना, मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना, मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना, नियद नेल्लानार योजना, पीएम जनमन, पीएम कुसुम, पीएम सूर्यघर आदि योजनाओं के माध्यम से किसानों, गरीबों और सामान्यजनों को बिजली की शक्ति से सशक्त किया जा रहा है। विद्युत कर्मियों ने जिस मनोयोग से इन योजनाओं को सफल बनाने का बीड़ा उठाया है, वह सराहनीय है।

» कैशलेस हेल्थ स्कीम का विस्तार

उन्होंने कहा-साथियों, स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मैं आज यह कहना चाहता हूं कि पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति पर ही प्रदेश और देश की प्रगति निर्भर रहती है। कार्य की प्रकृति के अनुरूप विद्युतकर्मियों से समाज की अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं। आपको विनम्र और सेवाभावी बने रहते हुए, विद्युत उपभोक्ताओं की सेवा को सर्वाधिक महत्व देना है। पॉवर कंपनी प्रबंधन ने हमेशा अपने कर्मियों के हितों तथा आवश्यकताओं का ध्यान रखा है। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि हमारी 'कैशलेस हेल्थ स्कीम' बेहद सफल रही है। अन्य राज्यों पंजाब और मध्यप्रदेश की पॉवर यूटीलिटीज ने यहां आकर इस योजना का अध्ययन किया और सराहना की है और वे इसे लागू करने की ओर अग्रसर हैं। इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इससे सेवारत कर्मचारियों-अधिकारियों के साथ ही पेंशनरों को भी बहुत मदद मिल रही है। पहले 100 अस्पताल ही सूचीबद्ध थे जो अब बढ़कर 500 से अधिक हो गये हैं। इस योजना में अनेक नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं जैसे- प्रदेश के बाहर सी.जी.एच.एस. दर में इलाज की बाध्यता को समाप्त कर 'को-पे' सिस्टम से अस्पताल की दरों पर ही इलाज मिल सकेगा। जिससे हितग्राहियों को राज्य से बाहर बड़े अस्पतालों जैसे वेदांता गुड़गांव, जसलोक मुंबई, नारायणा बैंगलोर, अपोलो चेन्नई आदि 100 से अधिक बड़े अस्पतालों में इलाज करवाने में सुविधा होगी। इसमें अन्य कई सुविधाएं दी जा रही हैं जैसे- रोबोटिक और आधुनिक चिकित्सा, दंत चिकित्सा, प्रीवेंटिव कॉमन निःशुल्क ऑनलाइन परामर्श प्रति तिमाही 6 बार आदि। महिलाकर्मियों की मांग पर उन्हें अपने सास-ससुर या माता-पिता दोनों में एक का चयन करने का विकल्प दिया गया है।

» एक पेड़ माँ के नाम- 50 हजार पौधें लगाएंगे

उन्होंने कहा-मैं, एक बार फिर, यह दोहराना चाहता हूं कि प्रदेश के विकास की हर जरूरत के लिए पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है। हमारी तीनों कंपनियों के समर्पण और समन्वित प्रयासों से ही, प्रदेश में समग्र विकास की आगामी परियोजनाओं को पूर्ण करना संभव होगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान ''एक पेड़ मां के नाम'' पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज ने भी निर्णय लिया है कि हमारे कर्मचारी-अधिकारी मिलकर, इस वर्षा ऋतु में कम से कम 50 हजार फलदार वृक्ष लगाएंगे, इसके खर्च की पूर्ति सीएसआर फंड से की जाएगी। मैं कामना करता हूं कि स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आप सभी यह संकल्प लेंगे कि विकसित भारत के निर्माण में, छत्तीसगढ़ का सर्वोत्तम योगदान दर्ज होगा।

» विमोचन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के छत्तीसगढ़ पॉवर जनरेशन कंपनी, छत्तीसगढ़ पॉवर ट्रांसमिशन एवं छत्तीसगढ़ पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कामकाज तथा उपलब्धियों पर आधारित ब्रोशर- सुशासन के नये आयाम, प्रगति के नये कीर्तिमान- विद्युत विकास का नया दौर तथा विद्युत उपभोक्ताओं हेतु सुविधाएं शीर्षक से दो ब्रोशर का विमोचन अध्यक्ष श्री पी.दयानंद द्वारा किया गया। ▪



उत्कृष्ट कार्यों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 12 विद्युत कर्मियों को चेयरमेन श्री पी. दयानंद (आई.ए.एस.) ने पुरस्कृत किया। इसमें आंधी-बारिश और रात के अंधेरे में जान जोखिम में डालकर बिजली बहाल करने वाले विद्युतकर्मी हैं तो अपने सूझबूझ से जनरेशन प्लांट में पानी बचाने वाले कर्मी भी शामिल हैं। उन्हें श्री पी.दयानंद ने नगद पुरस्कार के साथ मेडल व प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किया। मुख्यालय में आयोजित उत्कृष्ट पदक वितरण समारोह में प्रबंध निदेशकगण श्री आर.के.शुक्ला, श्री एस.के.कटियार, श्री भीमसिंह कंवर एवं कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन श्री अशोक कुमार वर्मा, अति. मुख्य अभियंता विनोद कुमार अग्रवाल उपस्थित थे।

- **जनरेशन कंपनी के श्री जैनेन्द्र कुमार गायकवाड,** अधीक्षण अभियंता (ए.एच.पी.) को तृतीय स्लरी लाइन के निर्माण के फलस्वरूप 5.17 लाख मीट्रिक टन वेट ऐश का निस्तारण एवं 25.93 लाख लीटर पानी को रिकवर करके खपत में अभूतपूर्व कमी के लिए पुरस्कृत किया गया।

- **जनरेशन कंपनी के श्री आलोक रत्न सक्सेना,** कार्यपालन अभियंता विद्युत गृह में इकाई क्रमांक-2 के पैनल चार्ज कर यूनिट 2 की संभावित ट्रीपिंग को बचाने के उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

- **ट्रांसमिशन कंपनी के श्री प्रवीण कुमार शुक्ला,** सहायक अभियंता द्वारा 220 केवी. उपकेन्द्र बेमेतरा एवं राजनांदगांव में तथा 132 केवी. उपकेन्द्र धमतरी के स्थापना परीक्षण एवं ऊर्जीकरण करने के लिए उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

- **श्री भोजराम साहू, परिचारक श्रेणी-दो** को 132 केवी. भानुप्रतापुर-पंखाजूर लाइन के टावर को विषम परिस्थितियों में डिस्मेंटलिंग एवं इरेक्शन का कार्य अल्प समय में पूर्ण कर विद्युत आपूर्ति को सुचारू रूप से बहाल करने के उत्कृष्ट कार्य के लिये पुरस्कृत किया गया।

- **डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के श्री प्रेमलाल साहू,** परीक्षण सहायक श्रेणी-एक को 33 केवी, 11 केवी. के 25 से अधिक पोल रिपेयर कर लगभग रू. 32 लाख 78 हजार की आर्थिक क्षति से बचाने के लिए सम्मानित किया गया। श्री साहू ने 19 जुलाई की रात को आंधी-बारिश के बीच खैरखूंट उपकेन्द्र के पॉवर ट्रांसफार्मर को ठीक करने का भी उल्लेखनीय कार्य किया है।

- **डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के श्री महेश कुमार जायसवाल,** कनिष्ठ अभियंता को वितरण केन्द्र के ट्रांसफार्मर विफलता के दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत करने तथा विद्युत लाइन के प्रभावी ढंग से रख-रखाव के लिये पुरस्कृत किया गया।

- **जनरेशन कंपनी के श्री अवनीश जोशी,** कार्यपालन अभियंता को गंगरेल जल विद्युत गृह के इकाई क्रमांक-2 को पुनः संचालन में लाने तथा स्थापित प्रोटेक्शन एवं इलेक्ट्रिकल सिस्टम को परीक्षण कर खामियों को दूर करने हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिये पुरस्कृत किया गया।

- **जनरेशन कंपनी के श्री प्रकाश प्रसाद शर्मा,** अनुभाग अधिकारी द्वारा बैंक एवं वित्त प्रबंधक कार्यालय के अंतर्गत, बैंक संबंधी कार्यों को समय पर निष्पादित करने हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिये पुरस्कृत किया गया।

- **ट्रांसमिशन कंपनी के श्री ओम प्रकाश,** सहायक अभियंता द्वारा नये 3x105 एमव्हीए. ट्रांसफॉर्मर के इरेक्शन, वॉयरिंग, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग का कार्य अल्प समय में पूर्ण करने के लिये पुरस्कृत किया गया।

- **ट्रांसमिशन कंपनी के श्री एम श्रीणु,** कार्यालय सहायक श्रेणी-दो, अति उच्चदाब की लाइनों एवं उपकेन्द्रों के निर्माण व संधारण में लगने वाले उपकरणों एवं सामग्रियों को उपलब्ध कराने हेतु अल्पसमय मे पूर्ण करने के लिये पुरस्कृत किया गया।

- **डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के श्री के.के. श्रीवास्तव,** कार्यपालन अभियंता द्वारा 2023-24 के दौरान अतिशेष विद्युत के विक्रय से कंपनी को करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त करने के लिये पुरस्कृत किया गया।

- **डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के श्री मुकेश कुमार पैकरा** कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन द्वारा कार्यालय में अनुभाग अधिकारी व कार्यालय सहायकों के पद रिक्त होते हुए भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन देयक तथा अधिकारियों की व्यक्तिगत जानकारियों को समय पर संपादित करने के लिये पुरस्कृत किया गया। ▪

ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा क्षेत्रीय स्तर के पुरस्कार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने सेवाभवन में आयोजित समारोह में उन्हें पदक, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशकगण श्री एमएस चौहान, कार्यपालक निदेशक भार प्रेषण श्री केएस मनोठिया, कार्यपालक निदेशक (मा.सं.) श्री अशोक कुमार वर्मा, कार्यपालक निदेशक एस एंड पी श्री आरसी अग्रवाल, मुख्य अभियंता उपकेंद्र रायपुर श्री जी. आनंद राव, मुख्य अभियंता लाइन श्री एकेअंबस्ट, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।

- **बृजेश कुमार,** परिचारक श्रेणी 01 लाइन कार्यालय कार्यपालन अभियंता ईएचटी संधारण संभाग भिलाई को भिलाई के औद्योगिक पार्क हथखोज में 132 केवी अतिउच्चदाब लाइन के ब्रेकडाउन को विषम परिस्थितियों में जोखिम लेते हुए पुनः सुचारू रूप से चालू करने के लिए पुरस्कृत किया गया।
- **श्री बसंत टोप्पो,** अति, प्रभारी सहायक अभियंता, टीएलएम संभाग अंबिकापुर को सीमित संसाधनों और स्टाफ की कमी के बावजूद खराब मौसम व बारिश तूफान के बीच एक ही दिन में 220 केवी और 132 केवी की लाइनों में आए चार ब्रेकडाऊन को कुछ ही घंटों में सुधारने का कार्य कराने के लिए सम्मानित किया गया।
- **श्री राकेश मोहन मरावी,** कनिष्ठ अभियंता 400 केवी सबस्टेशन कुरूद धमतरी को 400 केवी सब स्टेशन में 315 एमवीए व 220 केवी के बी फेज रिकंडिशनिंग कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करवाकर ऊर्जीकृत करने का उल्लेखनीय कार्य किया।
- **श्री टी. सिम्हाचलम्** परिचारक श्रेणी 02 लाइन कार्यालय कार्यपालन अभियंता कर्मशाला संभाग भिलाई को टावर और स्ट्रक्चर के निर्माण में महत्वपूर्ण कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने बैंडिंग के लिए कर्मशाला संभाग में बंद पड़ी पुरानी हस्तचलित बैंडिंग मशीन की जगह कंपनी व्दारा स्वीकृत ड्राइंग के आधार पर नई बैंडिंग मशीन का निर्माण किया। इस नई हस्तचलित बैंडिंग मशीन से टावर की न केवल बैंडिंग सही तरीके से हो रही है, बल्कि पुरानी मशीन की जो समस्याएं थीं, उन्हें भी उन्नत कर लिया गया है।
- **श्री फिरसिंह पैकरा,** लाइन सहायक श्रेणी-02, 220 केवी सब स्टेशन उरला को सर्किट ब्रेकर के मैकेनिज्म को करने की विशेषज्ञता के लिए सम्मानित किया गया। वे सब स्टेशन में गेंट्री आदि ऊंचाई में विशेष दक्षता व क्षमता से कार्य करने के लिए जाने जाते हैं। इस विशेष क्षमता के कारण 220 केवी क्षमता के सब स्टेशन उरला के अलावा अन्य सब स्टेशन में भी आपकी सेवाएं ली जाती हैं। उन्होंने उरला, सिलतरा, कचना सहित अनेक लाइन व फीडरों में आई समस्याओं को दूर करने में अपना असाधारण योगदान दिया है।
- **श्री टिकेंद्रमणी कर्ष,** परिचारक श्रेणी-01, 132 केवी सबस्टेशन कोरबा को 132 केवी सबस्टेशन कोरबा पूर्व में 33 केवी के मानिकपुर फीडर में भेल मेक के दो पोल क्षतिग्रस्त होने पर सूझबूझ के साथ आपने इसे दुरूस्त करने के लिए पुरस्कृति किया गया। उन्होंने 33 केवी वीसीबी का सुधार कार्य में सैम मैक के पोल की अनुपलब्धता की स्थिति में भिन्न-भिन्न मेक के पोल का इस्तेमाल कर पूर्ण यूनिट बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया। ▪

सुरक्षा कर्मियों को पुरस्कार



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के सुरक्षा विभाग द्वारा परेड का संचालन किया गया। जिसका नेतृत्व मुख्य सुरक्षा अधिकारी विंग कमांडर श्रीनिवास राव ने किया। इस अवसर पर सुरक्षा टीम को मिला पुरस्कार श्री आर.के. साहू वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी तथा सुरक्षा निरीक्षक श्री प्रभुशरण सिंह परेड कमांडर ने ग्रहण किया। बैण्ड दल का पुरस्कार श्री ताराचंद बेन ने ग्रहण किया।



क्षेत्रीय कार्यालयों में स्वतंत्रता दिवस समारोह



बिलासपुर क्षेत्र

बिलासपुर क्षेत्र मुख्यालय में मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता श्री ए.के.धर ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी तथा अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्युत कंपनी एवं बिलासपुर क्षेत्र के विद्युत विकास की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर बिलासपुर रीजन के 6 कर्मियों को उनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य का प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। सर्वश्री जीवन लाल लाठिया परिचारक श्रेणी एक (ला.), श्यामू गढ़ेवाल परिचारक श्रेणी एक (ला.), संजय साहू परिचारक श्रेणी एक (ला.), रघुनंदन सिंह कंवर परिचारक श्रेणी एक (ला.), संतोष कुमार साहू लाइन परिचारक श्रेणी-3, नीतिश वैष्णव डाटा एंट्री ऑपरेटर को पदक, प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक राशि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्रीमती कल्पना घाटे, अति. मुख्य अभियंता श्री डी.के. भोजक, अधीक्षण अभियंता श्री जी.पी.सोनवानी, श्री सुरेश जांगड़े, श्री बी.एल.वर्मा, श्री एन.के. बोरकर, श्री पी.आर.साहू एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कार्यालय मुख्य अभियंता (उप-केन्द्र) बिलासपुर के प्रांगण में ध्वजारोहण श्रीमती कल्पना घाटे, मुख्य अभियंता (उप-केन्द्र) बिलासपुर द्वारा किया गया, जिसमें समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के पहल पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया।



दुर्ग क्षेत्र

मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई। ध्वजारोहण पश्चात उनके द्वारा पॉवर कंपनी के अध्यक्ष का संदेश वाचन कर कंपनी की उपलब्धियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एच.के. मेश्राम, अधीक्षण अभियंतागण श्री एस.मनोज, श्री ए.के. लखेरा एवं श्री तरुण कुमार ठाकुर सहित दुर्ग क्षेत्र के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

इस अवसर पर श्री जामुलकर द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले दुर्ग क्षेत्र में पदस्थ 06 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यथाकनिष्ठ अभियंता कुमारी श्वेता, कार्यालय सहायक श्रेणी दो श्री डिलेश्वर नागवंशी, परिचारक श्रेणी एक लाइन श्री जी.राकेश एवं श्री श्रवण कुमार देशमुख, मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री आजाद अली और परीक्षण सहायक श्रेणी दो श्री अभिषेक कुमार साहू को रजत पदक, प्रोत्साहन राशि, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

जिला प्रशासन स्तर पर भी विभाग के तीन कर्मियों को सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन दुर्ग द्वारा बघेरा जोन में पदस्थ कार्यालय सहायक श्रेणी दो श्री उत्तम सिंह ठाकुर एवं जिला प्रशासन बालोद द्वारा बालोद डिविजन में पदस्थ लाइन परिचारक एक श्री झम्मन लाल साहू एवं श्री देवीलाल साहू को संबंधित जिले में प्रशासन द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024 में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।







राजनांदगांव क्षेत्र

राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री टी. के. मेश्राम द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्युत कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्युतकर्मी श्री हरि प्रसाद जंघेल, कनिष्ठ अभियंता, वितरण केन्द्र गंडई, श्री फगन लाल निशाद, लाइन सहायक श्रेणी-दो, वितरण केन्द्र अम्बागढ़ चौकी, श्री हेमसिंह डोंगरवार, लाइन सहायक श्रेणी-दो, बोरी उपसंभाग, श्री ऐशू राम साहू, परिचारक श्रेणी-एक, एसटीएम संभाग एवं श्री धनसिंह देवांगन, लाइन सहायक श्रेणी-दो, उपसंभाग बोरी को प्रशस्ति पत्र, चेक और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर अधीक्षण अभियंता श्री के. सी. खोटे, कार्यपालन अभियंता, श्री एम. के. साहू, श्री आर. के. गोस्वामी, श्री ए.डी. टण्डन, श्री बीरबल उइके, श्री सुरेश जाटवार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम का संचालन पीआरओ श्री धर्मेंद्र शाह मंडावी ने किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह

कार्यपालक निदेशक एम. एस. कंवर, कारखाना प्रबंधक संजीव कंसल, अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं अंजना कुजुर, राजेश्वरी रावत, वरि. मुख्य रसायनज्ञ मालती जोशी, अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी सतीश खरे एवं प्रेरणा महिला मण्डल की पदाधिकारी अल्का कंसल, विभा कुरनाल, अनिता टण्डन, आभा गुप्ता, साधना सोनी, सीमा राजपूत, शासकीय महाविद्यालय की प्राचार्या साधना खरे के विशिष्ट आतिथ्य में डीएसपीएम में स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता, आलोक सक्सेना, जी.पी.भगत, आर.पी. टण्डन, मनोज पटेल, पूर्णिमा साहू, मंजू चौहान, पवन दास महंत, 47 अधिकारियों /कर्मचारियों, 56 ठेका कर्मियों को सम्मानित किया गया। टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक विजेता तजिन्दर पाल सिंह एवं अशोक महेन्द्ररु को विशेष सम्मान प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो (15 हजार नगद राशि) से सम्मानित किया गया। विभागीय तौर पर संयंत्र के 21 समूहों को अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।



हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक - श्री सी. एल नेताम द्वारा ध्वजारोहण के साथ सामूहिक राष्ट्रगान और परेड का निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर अति. मुख्य अभियंता श्री पी.के स्वेन, श्री बी.पी पाटले, श्री एम.के गुप्ता, श्री राजेश कुमार पांडेय, श्री सुधीर कुमार पंड्या, श्री संजय कुमार तिवारी, श्रीमती महिमा मिंज, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के कुरनाल ,कल्याण अधिकारी- श्री सुरेश सिंह कंवर सहित अन्य, अधिकारियों/कर्मचारियों उपस्थित थे।

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह के संयंत्र परिसर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा ने देश के बलिदानी सपूतों को नमन करते हुए ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर पर सहायक अभियंता चंद्रशेखर पटेल एवं हरीश कुमार साहू को कार्यपालक निदेशक के हाथों प्रशस्ति पत्र एवं पदक से पुरस्कृत किया गया। जबकि 30 अधिकारियों व कर्मचारियों और 20



ठेकाश्रमिकों को स्थानीय स्तर पर अतिथियों के हाथों संयंत्र परिसर में सम्मानित किया गया। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एसडी द्विवेदी, पीके श्रीवास्तव, भरत गड़पाले, आरके साव, एन. लकरा और आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता बंजारा एवं महिला मंडल की पदाधिकारी समेत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह का संचालन कल्याण अधिकारी आरएस टेकाम द्वारा किया गया। ▪

जगदलपुर

जगदलपुर क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एसके ठाकुर द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। श्री मनीष कुमार ध्रुव, श्री रविंद्र कुमार निषाद, श्री राजेश गोस्वामी, श्री पवन कुमार कुर्राम, श्री राजेंद्र कुमार नेताम, श्री सोमारू राम बघेल को प्रशस्ति पत्र, पदक एवं पारितोषिक राशि प्रदान किया गया। इसी तरह अतिरिक्त तकनीकी परीक्षण बैच में श्री दिलीप सोनी, श्री भागवत प्रसाद नरेटी को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर क्षेत्रीय स्तर पर प्रशस्ति पत्र एवं पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री एन.के पोयाम, श्री तरूण कुमार दिवाकर, श्री एम.के श्रीवास्तव, श्री एन.के मांझी, श्री ए.के द्विवेदी, श्री डी. एस. कतलाम, श्री विष्णु मरकाम, श्री टोप्पो, श्री थॉमस, मोहम्मद सलीम खान, श्री गणेश्वर राम ध्रुव उपस्थित थे।



रायपुर

क्षेत्रीय मुख्यालय गुढ़ियारी रायपुर में कार्यपालक निदेशक श्री जे.एस. नेताम ने ''स्वतंत्रता दिवस'' पर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उनके द्वारा परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। समारोह में रायपुर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के उत्कृष्ट पुरस्कार हेतु चयनित कर्मियों- श्री सुनील कुमार वंजारी, श्री कमलेश देवांगन, श्री ओम प्रकाश सिंह, श्री रमेश कुमार साहू, श्री हेमलाल निर्मलकर, श्री संदीप सेन, श्री शिव कुमार साहू, श्री मनोज कुमार मुखर्जी, श्री विरेन्द्र



नेताम, श्री हरिचरण प्रधान, श्री नीरसिंह पैंकरा, श्री शिव कुमार साहू, को पदक और प्रशस्ति-पत्र एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। साथ ही तकनीकी प्रशिक्षण में प्रथम स्थान श्री देवेन्द्र वर्मा को कम्पनी की ओर से सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (रा.ग्रा. क्षे.) श्री संदीप कुमार वर्मा, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री अशोक खण्डेलवाल, जे.जगन्नाथ प्रसाद, श्री संजीव सिंह, श्री आर.के.मिंज एवं कार्यपालन अभियंता श्री अमित कुमार, श्री रमेश कुमार प्रसाद सहित अनेकानेक अधिकारी/कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री हरीश कुमार जांगड़े द्वारा आभार प्रदर्शन एवं संचालन कल्याण अधिकारी श्रीमती मनीषा डे द्वारा किया गया। ▪

सुशासन की कमान

सर्वाधिक 6,372 मेगावॉट बिजली आपूर्ति का कीर्तिमान







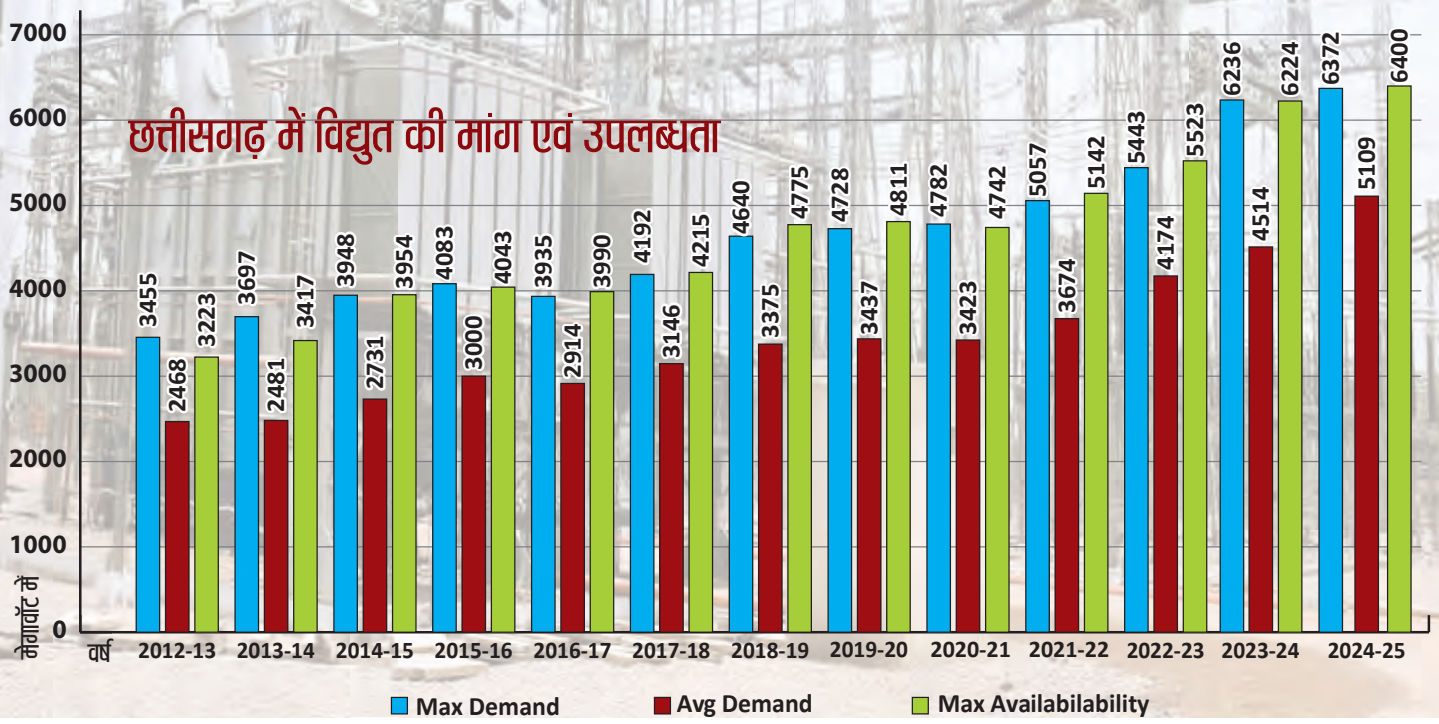





छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में गठित सरकार ने पहले छह महीने में ही विद्युत की सर्वाधिक मांग एवं आपूर्ति के ऐतिहासिक कीर्तिमान बनाया है। इस दौरान किसी एक दिन में 6372 मेगावॉट सर्वोच्च मांग, 6400 मेगावॉट सर्वाधिक उपलब्धता तथा वार्षिक औसत के रूप में 5109 मेगावॉट की सर्वाधिक मांग और आपूर्ति के कीर्तिमान बने। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इसे विगत छह माह के सुशासन का सुफल बताया है। ग्रामीण तथा शहरी, कृषि तथा औद्योगिक, घरेलू तथा व्यवसायिक, हर तरह के विद्युत उपभोक्ताओं को राज्य गठन के बाद से सर्वाधिक बिजली उपलब्ध कराई गई, जो सर्वांगीण प्रगति का ठोस संकेत भी है।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के समय प्रदेश में विद्युत की अधिकतम मांग मात्र 1315 मेगावॉट तथा उपलब्धता 1428 मेगावॉट थी। विगत दस वर्षों के आंकड़ों को देखा जाये तो वर्ष 2012-13 में सर्वाधिक मांग 3455 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 3223 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 2468 मेगावॉट रही। वर्ष 2013-14 में सर्वाधिक मांग 3697 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 3417 मेगावॉट थी, जबकि औसत मांग 2481 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष में औसत मांग मात्र 13 मेगावॉट बढ़ी।

वर्ष 2014-15 में सर्वाधिक मांग 3948 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 3954 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 2731 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 250 मेगावॉट बढ़ी। वर्ष 2015-16 में सर्वाधिक मांग 4083 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 4043 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 3000 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 269 मेगावॉट बढ़ी।

वर्ष 2016-17 में सर्वाधिक मांग 3935 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 3990 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 2914 मेगावॉट रही। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 86 मेगावॉट घटी। वर्ष 2017-18 में सर्वाधिक मांग 4192 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 4215 मेगावॉट थी, और औसत मांग 3146 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 232 मेगावॉट बढ़ी।

वर्ष 2018-19 में सर्वाधिक मांग 4640 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 4775 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 3375 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 229 मेगावॉट बढ़ी। वर्ष 2019-20 में सर्वाधिक मांग 4728 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 4811 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 3437 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग मात्र 62 मेगावॉट ही बढ़ी। वर्ष 2020-21 में सर्वाधिक मांग 4782 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 4742 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 3423 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 14 मेगावॉट घटी। हालाकि यह कोरोना काल का असर था, लेकिन इस दौरान उद्योग-धंधे पर प्रदेश में असर नहीं पड़ने का दावा किया जाता था। वर्ष 2021-22 में सर्वाधिक मांग 5057 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 5142 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 3674 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 251 मेगावॉट बढ़ी।

वर्ष 2022-23 में सर्वाधिक मांग 5443 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 5523 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 4174 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 500 मेगावॉट बढ़ी।

वर्ष 2023-24 में सर्वाधिक मांग 6236 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 6224 मेगावॉट थी, वहीं औसत मांग 4514 मेगावॉट थी। इस तरह एक वर्ष की औसत मांग 340 मेगावॉट बढ़ी। इस वर्ष के अंतिम 4 महीनों में नई सरकार के सुशासन के प्रयासों का असर दिखना प्रारंभ हो गया था।

वर्ष 2024-25 में अभी तक सर्वाधिक मांग 6372 मेगावॉट तथा सर्वाधिक उपलब्धता 6400 मेगावॉट, व औसत मांग 5109 मेगावॉट दर्ज की जा चुकी है। इस अवधि में औसत मांग 595 मेगावॉट बढ़ी, जो इतिहास में किसी एक वर्ष में सर्वाधिक मांग का कीर्तिमान है। यह चालू वित्तीय वर्ष के सिर्फ चार माह की स्थिति है। ▪



श्री भीम सिंह कंवर बने पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के नये प्रबंध निदेशक के पद पर श्री भीम सिंह कंवर की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन ऊर्जा विभाग द्वारा आदेश 11 जुलाई 2024 को जारी किया गया है। श्री कंवर ने पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के आठवें प्रबंध निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री पी.दयानंद के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री कंवर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक (संचा. एवं संधा.) के पद पर पदस्थ थे। अब वे पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के आठवें प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य करेंगे। इसके पूर्व छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला को अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

श्री कंवर को विद्युत सेवा भवन में स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं अन्य कार्यपालक निदेशकों, मुख्य अभियंतागण, अधिकारी-कर्मचारी तथा विभिन्न श्रमिक संघ-संगठनों के प्रतिनिधियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

श्री कंवर का जन्म 10 जून 1969 को सरगुजा जिले (वर्तमान में बलरामपुर जिले) के शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम भुनेश्वरपुर में हुआ। उन्होंने वर्ष 1991 में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर से इलेक्ट्रॉनिक एवं टेली कम्यूनिकेशन में बी.ई. की उपाधि प्राप्त की। वे वर्ष 1992 में अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल सहायक अभियंता के पद पर पदस्थ हुए। वे 2011 में मुख्य अभियंता तथा वर्ष 2014 में कार्यपालक निदेशक के पद पर पदस्थ हुए। वे क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग एवं बिलासपुर में कार्यपालक निदेशक रहे हैं। वे वर्ष 2022 से अब तक कार्यपालक निदेशक(संचा. एवं संधा.) का दायित्व संभाल रहे थे। ▪



उपभोक्ता सेवा, संतुष्टि तथा विद्युत अधोसंरचना संबंधी विकास कार्यों को प्राथमिकता

नवनियुक्त एम.डी.श्री भीमसिंह कंवर ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा है कि छत्तीसगढ़ में विद्युत विकास का लाभ जल्दी से जल्दी जनता को मिलना चाहिये। इसलिए वे श्री साय की मंशा को पूरा करने के लिए ऊर्जा सचिव श्री पी.दयानंद के मार्गदर्शन में पूरे समर्पण के साथ कार्य करेंगे। श्री कंवर ने कहा कि वितरण कंपनी का मुख्य कार्य अंतिम विद्युत उपभोक्ता तक राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को पहुंचाना, उपभोक्ता सेवा तथा उपभोक्ताओं की संतुष्टि का ध्यान रखना होगा। वितरण कंपनी द्वारा जिस विद्युत अधोसंरचना का विकास किया जाता है, उसका सीधा संबंध उपभोक्ताओं की सेवा और संतुष्टि से होता है। अतः मैं और हमारी वितरण कंपनी की पूरी मैदानी टीम इस दिशा में हरसंभव योगदान देगी।

1,000 करोड़ रु. अनुदान देकर बिजली बिल में राहत दिलाई

अनेक संगठनों ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति कृतज्ञता जताई




श्री श्याम काबरा


श्री मोहन एंटी


श्रीमती स्वाति कश्यप


श्रीमती मंजरी बक्षी


सुश्री श्रद्धा मिश्रा

छत्तीसगढ़ में विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली दरों में राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा जो 1000 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया है उसकी सराहना करते हुए प्रदेश के अनेक उपभोक्ता संरक्षण, औद्योगिक तथा महिला संगठनों ने श्री साय के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय को प्रेषित पत्र में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उपभोक्ता संरक्षण परिषद के अध्यक्ष श्री मोहन एंटी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विनियामक आयोग द्वारा 1 जून 2024 को प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए जो बिजली की नई दरें घोषित की गई है उसमें आपके द्वारा दी गई राहत की बहुत ही विशेष भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि विरासत में नई सरकार को 4 हजार 420 करोड़ रुपए का घाटा तोहफे के रूप में मिला था, यदि उस आधार पर नई बिजली दरें घोषित की जाती तो लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित थी। पत्र में कहा गया है, यह हमारा सौभाग्य है कि प्रदेश में आपके जैसा सरल, सौम्य, संवेदनशील लेकिन अपने निर्णयों में सुदृढ़ मुख्यमंत्री मिला है। जो 21 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित थी वह आपकी संवेदनशीलता की वजह से ही सभी श्रेणियों में औसतन 8.35 प्रतिशत पर आकर थम गई। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए तो आपका निर्णय वरदान ही साबित हुआ है। आपने एक ओर जहां हॉफ बिजली बिल योजना को जारी रखते हुए अपने वार्षिक बजट में इसका प्रावधान कर दिया है वहीं दूसरी ओर घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में मात्र 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है जो कि नगण्य है तथा एफोर्डेबल है। प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए आपने राज्य शासन की ओर से 1000 करोड़ रुपए का जो अनुदान स्वीकृत किया है उसकी जितनी भी तारीफ की जाए वह कम होगी। यह राहत वास्तव में प्रदेश की गरीब एवं मध्यम वर्गीय जनता के लिए बहुत बड़ा आर्थिक संबल साबित होगी।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उपभोक्ता महासंघ के अध्यक्ष श्री श्याम काबरा ने कहा है कि राज्य की विष्णुदेव साय सरकार के हस्तक्षेप से उपभोक्ताओं को बिजली का बड़ा झटका लगने से बच गया। वितरण कंपनी ने 4420 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा अनुमानित किया था। इसमें भी 1 हजार करोड़ रुपए की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा करने का निर्णय लिया गया। बिजली दर में 8.5 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई।

नवचेतन जनकल्याण एवं महिला उत्थान समिति की सचिव श्रीमती स्वाति कश्यप ने प्रदेश की समस्त महिलाओं की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया हैं। महतारी वंदन योजना के बाद बिजली दर में राहत देकर आपने प्रदेश की मातृशक्ति को जो संबल दिया है, वह प्रशंसनीय है। बिजली की दरें अगर 21 प्रतिशत बढ़ जाती तो उसका सर्वाधिक असर महिलाओं पर ही पड़ता।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विनियामक आयोग द्वारा 1 जून 2024 को प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए जो बिजली की नई दरें घोषित की गई है उसमें आपके द्वारा दी गई राहत की बहुत ही विशेष भूमिका रही है। विरासत में 4420 करोड़ रुपए का घाटा तोहफे के रूप में दिया था, यदि उस आधार पर नई बिजली दरें घोषित की जाती तो लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित थी।

पत्र में कहा गया है- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में आम जनता, गरीबों, किसानों और विशेषकर गृहिणियों के लिए संवेदनशीलता का होना आवश्यक है हमें विश्वास है कि आपकी सरलता, न्यायप्रियता और सजगता का लाभ प्रदेश की सभी बालिकाओं और महिलाओं को मिलेगा।

स्वदेशी जागरण मंच की श्रीमती मंजरी बक्षी, अमेटी कॉलेज की प्रोफेसर सुश्री श्रद्धा मिश्रा आदि ने मुख्यमंत्री श्री साय के इस निर्णय की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि बिजली दरों का संतुलन बनाए रखने के लिए 1000 करोड़ रुपए का अनुदान देकर मुख्यमंत्री श्री साय ने एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। इससे महिलाओं को अपने घर का खर्च चलाने में बहुत बदद् मीलेगी अतः यह कार्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देगा। ▪

ब्लैक ऑउट से निपटने को तैयार हैं हम...

स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर से किया गया ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल

बांगो जल विद्युत गृह से कोरबा पश्चिम ताप विद्युत गृह तक बिजली पहुंचाने में लगे 43 मिनट



प्रदेश में आकस्मिक ब्लैक आउट होने की स्थिति में ताप विद्युत गृहों को पुनःसंचालित करने हेतु हसदेव बांगो जल विद्युत गृह से स्टार्ट अप पॉवर सप्लाई करने संबंधी एक मॉकड्रिल (पूर्वाभ्यास) छत्तीसगढ़ स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में 15 जुलाई को सफलतापूर्वक किया गया। मॉकड्रिल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि आपात स्थिति में पॉवर प्लांट के ब्लैक आऊट होने पर कोरबा पश्चिम के बिजली संयंत्रों को शुरू करने हेतु लगभग 43 मिनट में जल विद्युत संयंत्रों से बिजली पहुंचाई जा सके। गौरतलब है कि अचानक ब्लैक आऊट होने की स्थिति में पावर प्लांटों को फिर से स्टार्ट करना कठिन होता है, इसके लिए तुरंत बिजली की आवश्यकता पड़ती है, जिसकी तत्काल आपूर्ति जल विद्युत संयंत्रों से ही हो सकती है। 12 जुलाई को यह मॉक ड्रिल छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन एवं उत्पादन कम्पनी के प्रबंध निदेशक क्रमशः श्री आर. के. शुक्ला तथा श्री संजीव कुमार कटियार की उपस्थिति एवं कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ ।

इंडियन इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड कोड और स्टेट ग्रिड कोड के प्रावधानों के अनुसार साल में एक बार इस तरह का मॉकड्रिल करना होता है। इस दौरान डंगनिया स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेन्टर में कार्यपालक निदेशक सर्व श्री के. एस. मनोठिया एवं श्री एम. एस. कंवर, मुख्य अभियंता श्री के. के. भगत, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती शारदा सोनवानी, श्री राकेश शर्मा, अधीक्षण अभियंता श्री मनोज राय, श्री संजय चौधरी, श्री अभिषेक जैन, श्री संजय वैद्य, श्री एम. नायक, श्रीमती माया नायर, श्रीमती पुष्पा पिल्लई कार्यपालन अभियंता श्री जी.पी. सिंह, श्री धर्मजीत भट्ट, श्री मनोज रावटे, सुश्री सुदेशना पॉल, सुश्री नमिता विभा लकरा, श्री अवनीश जोशी, सहायक अभियंता श्री केतन मिश्रा, श्री विन्ध्याचल गुप्ता, श्रीमती प्रीति गुप्ता, सुश्री जुवेना गोम्स, श्रीमती रेखा शर्मा, सुश्री संदीपा देवांगन, कनिष्ठ अभियंता श्री शुभम घोरे आदि उपस्थित थे ।

राज्य भार प्रेषण केन्द्र के नियंत्रण कक्ष में ड्युटी पर उपस्थित कार्यपालन अभियंता श्री जी. आर. नवरंग, श्री रंजीत कुजुर, सहायक अभियंता श्री संदीप देवांगन एवं तकनीकी सहायक श्री दिनेश विश्वकर्मा का मॉकड्रिल को सम्पन्न कराने में सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

इसी तरह बांगो जल विद्युत संयंत्र के अधीक्षण अभियंता श्री बी. आर. भगत, श्री एस. के. रहमतकर एवं उनकी टीम, विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में अधीक्षण अभियंता श्री एस. करकरे एवं उनकी टीम, कोरबा पूर्व में पारेषण संकाय से अधीक्षण अभियंता श्री डी.एस. पटेल एवं उनकी टीम, वितरण संकाय से अधीक्षण अभियंता श्री पी. एल. सिदार एवं उनकी टीम ,संचार एवं टेलीमीटरी संकाय से कार्यपालन अभियंता श्रीमती अजय कंवर एवं उनकी टीम, उत्पादन कॅपनी से कार्यपालन अभियंता श्री आनंद कुमार एवं श्री सुरेश साहू की सक्रिय भूमिका इस मॉकड्रिल को सम्पन्न कराने में रही है।

ऐसे पूरी हुई मॉकड्रिल की प्रक्रिया- मॉक ड्रिल के दौरान सर्वप्रथम बांगो जल विद्युत गृह, छुरीखुर्द, जमनीपाली एवं कोरबा पूर्व के उपकेन्द्रों से फीड होने वाले क्षेत्रों को मिलाकर एक आईलैण्ड सब-सिस्टम बनाया गया। इसके पश्चात् इस आईलैण्ड सब-सिस्टम में ब्लैक आउट की स्थिति निर्मित की गई। इस तरह एक बनावटी बिजली संकट छुरीखुर्द, जमनीपाली एवं कोरबा क्षेत्र में निर्मित किया गया। इसके पश्चात् इंजीनियरों की टीम ने युद्धस्तर पर बिजली संकट क्षेत्र में बिजली बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ की। इसके लिये बांगो में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट से बंद जल विद्युत इकाई क्रमांक-3 को सर्विस में लेकर बांगो उपकेन्द्र के बस को चार्ज किया गया और वहां उत्पादित बिजली को 132 केवी लाइनों के माध्यम से छुरीखुर्द, जमनीपाली एवं कोरबा पूर्व 132 केवी उपकेन्द्रों तक क्रमशः पहुंचाया गया और पूर्व निर्धारित 33/11 केवी विद्युत फीडरों को एक के बाद एक चालू कर बांगों की जल विद्युत इकाई से करीब 24 मेगावाट लोड लिया गया। इसके पश्चात आईलैण्ड सब-सिस्टम की फ्रिक्वेन्सी एवं वोल्टेज को मॉनीटर करते हुए बांगो जल विद्युत गृह की सप्लाई को कोरबा पश्चिम ताप विद्युत गृह तक पहुंचाया गया। इस पूरी प्रक्रिया में 43 मिनट का समय लगा। इसके पूर्व में 'ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल' 11 अगस्त 2023 को किया गया था। ▪

विद्युत वितरण तंत्र का विस्तार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा दिसंबर 2023 से जुलाई 2024 के बीच वितरण अधोसंरचना विकास के अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए। इस दौरान 33/11 के.वी क्षमता के 55 नये उपकेंद्र स्थापित किए गए। 11/04 के.वी क्षमता के 10,718 उपकेंद्र, 33 के.वी क्षमता की 813 किलोमीटर लाइन, 11/04 के.वी क्षमता की 10,718 किलोमीटर लाइन, निम्नदाब की 8,461 किलोमीटर लाइन बिछाने जैसे कार्यों को पूर्ण किया गया। इसके साथ ही प्रदेश में उच्चदाब उपभोक्ताओं की संख्या में 189 तथा निम्नदाब उपभोक्ताओं की संख्या में 1,20,300 की वृद्धि हुई है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा अब 33/11 के.वी क्षमता के 1,431 उपकेंद्र, 11/04 के.वी क्षमता के 2,34,319, 33 के.वी क्षमता की 25,526 किलोमीटर लाइन, 11 के.वी क्षमता की 1,36,386 किलोमीटर लाइन तथा निम्नदाब क्षमता की 2,34,511 किलोमीटर लाइन के साथ ही 2,34,109 वितरण ट्रांसफॉर्मर के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी संभाली जा रही है। विगत 7 माह में वितरण तंत्र में हुए विस्तार के समाचार इस प्रकार है-



» जुनवानी (दुर्ग)

दुर्ग शहर के कोहका जोन अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र (सबस्टेशन) जुनवानी, भिलाई में 04 मार्च 2024 को 05 एम.व्ही.ए. का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर चार्ज किया गया। जिससे कोहका जोन के अंतर्गत बजरंगपारा, आर्यनगर, हाउसिंग बोर्ड, विवेकानंद नगर इत्यादि क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिलेगी। इस कार्य को 88 लाख 85 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है।

33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र जुनवानी, भिलाई में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लगने से कोहका जोन के लगभग चार हजार उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। जुनवानी विद्युत उपकेंद्र एक और 05 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लग जाने से जुनवानी विद्युत उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 10 एम.व्ही.ए. हो गई है। श्री एम. जामुलकर मुख्य अभियंता श्री एम. अधीक्षण अभियंता नगर वृत्त श्री तरुण कुमार ठाकुर एवं कार्यपालन अभियंता एसटीएम श्री एस.के. मिश्रा सहायक अभियंता सुश्री मनीषा साहू, श्री नवीन वर्मा, श्री निरंजन दास एवं कनिष्ठ अभियंता श्री प्रकाश रामटेके तथा कोहका जोन के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



» नांदघाट

8 मार्च को संभाग बेमेतरा के नांदघाट वितरण केंद्र के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र खपरी(मल्दा) में 3.15 एम.व्ही.ए. से 05 एम.व्ही.ए. पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि एवं उपकेंद्र टेमरी में 3.15 एम.व्ही.ए. का 01 नग अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाकर उपकेंद्रों की क्षमता बढ़ाई गई है, जिससे किसानों एवं उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ बिजली की आपूर्ति निर्बाध मिलेगी।

इस कार्य को 63 लाख 92 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया। इस कार्य के होने से 10 ग्रामों मऊ, मटपुरी, खम्हरिया, पौंसरी, बदौनी, डंगनिया, भिखमपुर, बोरदेही, मरदेही एवं चमारी के लगभग 1815 नग कृषि पंपों सहित 3146 उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इसी तरह 25 लाख 34 हजार रुपए की लागत से 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र टेमरी में एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगने से 10 ग्रामों टेमरी, घुरसेना, एरमशाही, दर्री, नारायणपुर, तेन्दुभाठा, नवागांव, दुधिया, लोहडंगिया एवं अमलडिहा के लगभग 1250 कृषि पंपों सहित लगभग 2345 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।



तरुण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता द्वय श्री एस.के.मिश्रा एवं श्री आर.के.दानी, सहायक अभियंता श्री महेश्वर टंडन, श्री राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, श्री नवीन वर्मा एवं श्री एम.के. साहू तथा कनिष्ठ अभियंता श्री सोहराब खान सहित उनकी टीम उपस्थित थे। इस कार्य से 1700 उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी।

» पुटपुरा एवं बदनारा (बेमेतरा)

बेमेतरा जिले में स्थित 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र (सबस्टेशन) पुटपुरा एवं बदनारा में 61 लाख 21 हजार रुपए की लागत से 3.15 एम.व्ही.ए. के एक-एक नग अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर 15 मार्च को ऊर्जीकृत किये गया। जिससे उपकेंद्रों के अंतर्गत आने वाले लगभग 25 गांवों के उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिलेगी।

दोनों 33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से उपकेंद्र पुटपुरा के अंतर्गत ग्राम बुंदेली, बुंदेला, सोनपुरी, झिलगा, बेवरा, पुटपुरा, खेड़ा, जुनवानी कला, जुनवानी खुर्द, बिनाईका एवं लालपुर तथा उपकेंद्र बदनारा के अंतर्गत ग्राम मेहना, अमोरा, मेढ़की, दयालपुर, घोरहा, पौंसरी, भिखमपुर, डंगनिया, बोरदहि, मरदही, चमारी, बदनारा, करहीकांपा एवं रोहरा के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

» महेश कॉलोनी (दुर्ग)



दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र पुलगांव, दुर्ग से निकलने वाली 11 के.व्ही. महेश कॉलोनी फीडर को दो भागों में विभक्त कर नया 11 के.व्ही. कपड़ा मार्केट फीडर बनाया गया। इससे बघेरा जोन के लगभग 1700 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

नये फीडर को 21 मार्च 2024 को मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर द्वारा चार्ज किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता नगर वृत्त श्री से पूर्ण किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री तरुण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता श्री पी.के. शर्मा, श्री चेल्ला अनिल कुमार, श्री संतोष मिश्रा, सहायक अभियंता श्री कौशलेन्द्र पांडेय, श्री नवीन वर्मा, श्रीमती श्वेता वर्मा एवं नेहरु नगर जोन के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

» कोटनी

जवाहर नगर जोन के अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. कर्मचारी नगर सबस्टेशन से निकलने वाली लगभग 15 किलोमीटर दूरी के एसटीएफ फीडर को दो भागों में बांटकर नये 11 के.व्ही. कोटनी फीडर को 10 जुलाई को श्री एम. जामुलकर द्वारा चार्ज किया गया। इस कार्य में लगभग 29 लाख 54 हजार रूपए का व्यय किया गया।

इस फीडर के चार्ज होने से बघेरा वितरण केंद्र के कोटनी बस्ती के साथ पंप के पूरे वितरण ट्रांसफार्मर अलग हो जाएंगे, जिससे बीड़ी कालोनी, बजरंग चौक, मुर्राभाटा, सुंदर नगर, दमान्द पारा, उरला, ब्रम्हकुमारी, हाउसिंग बोर्ड, एसटीएफ कॉलोनी बघेरा एवं आसपास के क्षेत्र लाभान्वित होंगे एवं 1850 उपभोक्ताओं एवं किसानों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा सकेगी।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता शहर वृत्त श्री तरुण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता नगर संभाग दुर्ग श्री रवि कुमार दानी, कार्यपालन अभियंता एसटीएम शहर श्री संतोष मिश्रा, सहायक अभियंतागण श्री ढालेश्वर साहू, श्रीमती श्वेता वर्मा, श्री राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, श्रीमती अंजू देसाई, श्री नवीन वर्मा, श्री एम.के.साहू, श्री आलोक साहू एवं कनिष्ठ अभियंता श्री जसवंत सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

» नेहरु नगर (दुर्ग)



दुर्ग क्षेत्र के भिलाई शहर(पश्चिम) संभाग के अंतर्गत स्थित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र नेहरु नगर में 08 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाकर मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर द्वारा 3 जुलाई को चार्ज किया गया, जिससे उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 18 एमवीए हो गई है।

8 एमवीए क्षमता का यह पॉवर ट्रांसफार्मर दुर्ग क्षेत्र में पहली बार स्थापित किया गया है। अभी तक उपकेंद्रों में अधिकतम 05 एमवीए क्षमता वाले पॉवर ट्रांसफार्मर ही स्थापित किए जाते रहे हैं। नेहरु नगर क्षेत्र में बढ़ते हुए लोड को देखते हुए 08 एमवीए का बड़ा पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। पूर्व से ही उपकेंद्र में 05 एमवीए के तीन पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं, जिनमें से एक 05 एमवीए पॉवर ट्रांसफार्मर को बदलकर नया 08 एमवीए का ज्यादा क्षमता वाला ट्रांसफार्मर लगाया गया। इस कार्य से नेहरु नगर सहित पुष्पक नगर, स्मृति नगर एवं आसपास के लगभग 3200 उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत सुविधाएं प्राप्त होंगी।

यह कार्य 10 करोड़ 58 लाख रूपए की लागत





इससे 13 ग्रामों के 1150 विद्युत उपभोक्ता एवं कृषकगण लाभान्वित होंगे। मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम एवं अधीक्षण अभियंता श्री रंजीत घोष ने पूरी टीम को बधाई दी।

» चिल्हाटी (मानपुर-मोहला-अंबागढ़ चौकी)

मानपुर जिले मोहला-अंबागढ़-चौकी चिल्हाटी में विद्यमान 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र में नये 3.15 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को 13 फरवरी को ऊर्जीकृत किया गया। उपकेन्द्र की क्षमता 3.15 एम.व्ही.ए. से बढ़कर 6.30 एम.व्ही.ए. हो गई। 1 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से स्थापित अतिक्ति पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से लगभग 26 ग्रामों के 3675 उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता की विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा। मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम एवं अधीक्षण अभियंता श्री एस.के. शर्मा ने कार्यपालन अभियंता श्री एस.के. चन्द्राकर, श्री के.वी. मैथ्यू, श्री पी.सी. साहू, श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता श्री प्रशांत पान्से ,श्री अजय विश्वकर्मा, कनिष्ठ अभियंता श्री भरथरी कुर्रे और उनकी टीम को बधाई दी।

» बिड़ौरा (राजनांदगांव)



ग्राम बिड़ौरा जिला राजनांदगांव स्थित 33/11 के.व्ही.उपकेन्द्र में विद्यमान 3.15 एम.व्ही.ए. के पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि करते हुए, एम.व्ही.ए. का नया पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर 17 फरवरी को चार्ज किया गया। लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये के लागत से इस उपकेंद्र की क्षमता 8.15 एम.व्ही.ए. से बढ़कर 10 ए.व्ही.ए. हो गई।

» कुमरदा, हाटबंजारी, गैंदाटोला, बांधाबाजार, अम्बागढ़ चौकी एवं चिल्हाटी

कुमरदा, हाटबंजारी, गैंदाटोला, बांधाबाजार, अम्बागढ़ चौकी एवं चिल्हाटी क्षेत्र के ग्रामीण



अंचलों में निर्बाध व गुणावत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में 3 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से 37 कि.मी. नई 33 के.व्ही.लाइनों का निर्माणकर को रिंग फारमेशन में डबल सप्लाई के लिए सिस्टम बनाकर विद्युत प्रदाय को सुदृढ़ीकृत किया गया। अम्बागढ़ चौकी, चिल्हाटी क्षेत्र के लिए विद्युत प्रदाय व्यवस्था मोहला के एकटकन्हार स्थित 132/33 के.व्ही. उच्च दाब उपकेंद्र एवं अमलीडीह डोंगरगांव 132/33 के.व्ही. उच्च दाब उपकेंद्र दोनों से हैं। जिससे यदि एक तरफ 33 के.व्ही. लाइनों में ब्रेकडाउन की समस्या उत्पन्न होती है, तो उससे दूसरी तरफ से मिली डबल विद्युत सप्लाई व्यवस्था से बहाल कर सकते हैं। इस कार्य से 42 हजार उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री सतीश कुमार शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री पी.सी. साहू, श्री के.व्ही. मैथ्यू, श्री एस.के. चन्द्राकर सहायक अभियंता, श्री अरुण साहू, श्री अजय विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

» कोठीटोला



छुरिया उपसंभाग के ग्राम कोठीटोला में 29 फरवरी को नवनिर्मित 33/11 के.व्ही.उपकेन्द्र का मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य में 3 करोड़ 71 लाख रुपए की लागत आई। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री एस.के. शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री एन.के. साहू, श्री एस.के. चन्द्राकर, श्री ए.डी. टण्डन, श्री एस.के. जाटवार, सहायक अभियंता श्री दिनेश चतुर्वेदी, श्री अजय विश्वकर्मा, श्री आर.पी. ठाकुर, श्री राजेन्द्र साहू, श्री रविकांत शर्मा एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए थे। इस उपकेन्द्र में स्थापित 3.15 एम.व्ही.ए. के पॉवर ट्रांसफार्मर से निकलने वाले 11 के.व्ही. के तीनों फीडरों यथा कोठीटोला, टाटेकसा एवं सीतागोटा के माध्यम से 15 ग्रामों के 3200 कृषक एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को निर्बाध व गुणावत्तापूर्ण विद्युत की सुविधा सुनिश्चित की जायेगी। कार्यपालन अभियंता श्री एन.के. साहू ने बताया कि उपकेन्द्र के क्रियाशील हो जाने से ग्राम कोठीटोला, कनेरी, खैरबना, टाटेकसा, नवागांव, शेरपार, सीतागोटा, मकरनपुर, कन्हारटोला, बोदालदण्ड, कारूटोला, गौटियाटोला, गजराजटोला, मांगीखुटा एवं भालूकोना के लगभग 3200 उपभोक्ताओं को उच्च गुणावत्तापूर्ण विद्युत की सुविधा मिलेगी।

» मंडला

खैरागढ़ जिले के ग्राम मंडला में विद्यमान 33/11 के.व्ही.उपकेन्द्र में 3.15 एम.व्ही.ए. के अतिरिक्त नये पॉवर ट्रांसफार्मर को स्थापित कर 10 जुलाई को ऊर्जीकृत किया गया। इस प्रकार मंडला उपकेन्द्र की क्षमता 5 एम.व्ही.ए.





एम.व्ही.ए. से बढ़कर 8.15 एम.व्ही.ए. हो गई। इस अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से लगभग 20 ग्रामों में विद्युत प्रदाय की स्थिति और बेहतर हो गई है। ऊर्जीकरण से ग्राम मंडला, खैरबना, डोकराभाठा, टेकाडीह, बाजगुड़ा, इतिकसा, भूरसाटोला, खौंघा, पिरचाटोला, पासलखैरा, केशला, बड़गड़ा, मालूद एवं केरबोरी के लगभग 3400 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम एवं अधीक्षण अभियंता श्री के.सी. खोटे ने कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. द्विवेदी, श्री ए.डी. टंडन, एम.के. साहू, सहायक अभियंता श्री के.के. सुनहरे, श्री एस.पी. ठाकुर, सुश्री ममता कर्मकार और उनकी टीम को बधाई दी।

» टेड़ेसरा

ग्राम टेड़ेसरा में 2 करोड़ 58 लाख रू की लागत से 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र को मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री के. सी. खोटे, कार्यपालन अभियंता श्री आलोक दुबे, श्री मुकेश साहू, श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता श्री अनिल धनकर, श्री आर.पी. ठाकुर, श्री एस.पी. ठाकुर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित हुए। इस उपकेन्द्र में स्थापित 3.15 एम.व्ही.ए.का नया पॉवर ट्रांसफार्मर, 3.5 कि.मी. 33 के.व्ही. एवं 10.2 कि.मी. 11 के.व्ही. की नई लाइन सृजित की गई है। पॉवर ट्रांसफार्मर से निकलने वाले 11 के.व्ही.के तीनों फीडरोंयथा देवादा, मगरलोटा एवं सांकरा के माध्यम से 10 ग्रामों के 5990 कृषक एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी।

» बखरूपारा (बस्तर)

बस्तर संभाग के नारायणपुर के बखरूपारा स्थित उपकेन्द्र में 3.15 एम.व्ही.ए. पॉवर ट्रांसफार्मर को 15 मार्च को ऊर्जीकृत किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एस.के. ठाकुर, अधीक्षण अभियंता श्री नवीन कुमार पोयाम, कार्यपालन अभियंता श्री हिलोन कुमार ध्रुव, श्री राजेश कुमार, श्री विष्णु मरकाम, सहायक अभियंता श्री विनोद कुमार टंडन, श्री बीरेन्द्र कुमार कोसले सहित विद्युत कंपनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस उपकेन्द्र से नारायणपुर शहर की ओवरलोडिंग की समस्या दूर होगी तथा आसपास के लगभग 25 गांवो के 3000 उपभोक्ताओं के दो फीडरों से विद्युत आपूर्ति की जाएगी। साथ ही इससे बार-बार होने वाली विद्युत आपूर्ति में बाधा एवं लो-वोल्टेज से मुक्ति मिलेगी।



» घाटलोहंगा (बस्तर)

बस्तर ब्लॉक के घाटलोहंगा में 5 फरवरी को 33/11 के. व्ही. लाइन में नया 5 एम.व्ही.ए. का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया। इससे 20 गांव के लगभग 2690 उपभोक्ताओं एवं 350 कृषि पंपों को बेहतर बिजली सेवा मिल रही है। कार्यपालक निदेशक श्री एस.के. ठाकुर ने बताया कि पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि किए जाने से बस्तर, परचनपाल, घाटलोहंगा, तिरकालोहंगा, किंजोली क्षेत्र के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एस. के. ठाकुर, अधीक्षण अभियंता श्री नवीन कुमार पोयाम, श्री तरूण कुमार दीवाकर, कार्यपालन अभियंता श्री सुदीप कुमार खेस्स, मो. सलीम खान, सहायक अभियंता श्री नंद लाल काशी, श्री एस.आर. भद्रे एवं पॉवर कंपनी के अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

» चोकर (बस्तर)

बस्तर जिले के ग्राम चोकर में नवनिर्मित उपकेन्द्र का 2 फरवरी को कार्यपालक निदेशक श्री एस.के. ठाकुर द्वारा चार्ज किया गया। उपकेन्द्र स्थापित होने से 12 गांव के 3126 बीपीएल एवं 850 पंप के उपभोक्ताओं को राहत मिली। उपकेन्द्र निर्माण से 12 ग्राम आडावाल, नारायणपाल, भरनी, चोकर, करमरी, मारलेंगा, मुंडापाल, घाटकवाली, कुड़कानार, नदीसागर, बोडनपाल एवं झारतराई के लगभग 4300 उपभोक्ता लाभान्वित हुए। साथ ही उपकेन्द्र से बीपीएल के 3126 एवं पंप के 850 उपभोक्ता शामिल है। उपकेन्द्र के निर्माण करने के लिये 33 के.व्ही. 12 कि.मी. लाइन, 400 के.व्ही. परचनपाल से चोकर तक खींची गई एवं 11 के.व्ही. लाइन के 16 कि.मी. लंबे चार फीडर शामिल है।

उपकेन्द्र चार्जिंग के दौरान कार्यपालक निदेशक (जक्षे) श्री एस.के. ठाकुर, अधीक्षण अभियंता श्री नवीन कुमार पोयाम, कार्यपालन अभियंता श्री दिलीप कुमार सैनी, श्री सुदीप कुमार



खेस्स सहायक अभियंता श्री नंद लाल काशी एवं पॉवर कंपनी के अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

» जगदलपुर

जगदलपुर शहर में सनसिटी के उपकेन्द्र में 3 फरवरी को नया 5 एम.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर को चार्ज किया गया। पूर्व में यहां 3.15 एम.व्ही.ए. का ट्रांसफार्मर स्थापित था। उपकेन्द्र में नये 5 एम.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर का चार्जिंग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री एस.के. ठाकुर के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री पी.के. अग्रवानी, श्री सुदीप कुमार खेस्स सहायक अभियंता श्री निरंजन सिंह कंवर कनिष्ठ अभियंता श्री देवचरण मांझी एवं पॉवर कंपनी के अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

को राहत मिली, जिसमें 4976 बीपीएल, 1272 घरेलू एवं 129 कृषि पंप कनेक्शन है।

कार्यपालक निदेशक (जक्षे) श्री एस.के. ठाकुर, अधीक्षण अभियंता श्री नवीन कुमार पोयाम, कार्यपालन अभियंता श्री दिलीप कुमार सैनी, श्री सुदीप कुमार खेस्स, सहायक अभियंता श्री नंद लाल काशी एवं पॉवर कंपनी के अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

» चांदामेटा (बस्तर)

चांदामेटा क्षेत्र के ग्राम छिन्दगुर के मजराटोला अण्डामपारा, मुरियामीपारा, गदमेपारा, पटनमपारा, पटेलपारा और ग्राम मुण्डागढ़ के मजराटोला बेन्नेपारा का विद्युतीकरण हेतु 147.89 लाख रुपये स्वीकृत की गई। ग्राम चांदामेटा के विद्युतीकरण हेतु 11 के.व्ही. लाइन 19 कि.मी., निम्नदाब लाइन 16 कि.मी. और 7 नग 25 के.व्ही.ए. 11/0.4



» बटराली (बस्तर)

बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित गांव बटराली में फरवरी में 33/11 के.वी उपकेन्द्र का निर्माण किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री एस.के. ठाकुर द्वारा इस उपकेंद्र को ऊर्जीकृत किया गया।इस कार्य से 30 गांव के 6430 उपभोक्ताओं के.व्ही. वितरण ट्रांसफार्मर लगाकर 84 घरों में बी.पी.एल कनेक्शन प्रदान किया गया।

इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री नवीन कुमार पोयाम सहित उनके अधीनस्थ कर्मचारी श्री छेदीसिंह ठाकुर, लाइन सहायक श्रेणी-एक एवं श्री उज्जवल, परिचारक श्रेणी-एक (लाइन) को गणतंत्र दिवस के शुभअवसर पर श्रीमान विष्णु देव साय, माननीय मुख्य मंत्री, छ.ग. शासन के द्वारा सम्मानित किया गया। ▪



'ड्यूटी में रहने के कारण नवजात बेटी के इलाज में दिक्कत आई, बाढ़ से घिरे 22 गांव में विद्युत आपूर्ति बहाल की'



श्री गंगाराम समरथ

परीक्षण सहायक श्रेणी - एक
करहीभदर वितरण केन्द्र

12 जून 2002 को लाइन परिचारक श्रेणी-2 के पद पर अपने मूल निवास नरहरपुर कांकेर से लगभग 300 कि.मी. दूर सुकमा वितरण केन्द्र से कंपनी की सेवा प्रारंभ की। चुनौतीपूर्ण कार्य करने के दौरान उनके व्यक्तिगत जीवन में भी कई उतार-चड़ाव आये, लेकिन उन्होने कभी भी कंपनी के सेवा से कोई समझौता नहीं किया। वर्ष 2006 में उनकी पहली बच्ची का जन्म हुआ, जिसके तीसरे दिन ही पीलिया हो जाने के कारण स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती किया गया, परन्तु वे आज भी सुधार न होने के कारण दिव्यांग हैं। उस दौरान 33 के.व्ही. एक मात्र सप्लाई कुआकोंडा से सुकमा आता था। जिसमें ब्रेकडाउन होने की स्थिति में वही तीन-चार दिन रुकना पड़ता था। उस समय एक तरफ कंपनी की जिम्मेदारी और दूसरी तरफ कमजोर बच्ची जो रात-रात भर सो नहीं पाती थी, ऐसे विपरीत समय में भी हौसला न गवाते हुए कंपनी की सेवा एवं परिवारिक जिम्मेदारियों के बीच सामांजस्य बनाते हुए अपना कार्य किया। उसी बीच एक बार रात्रि लगभग 10 बजे लाइन में नक्सलियों द्वारा झाड़ गिरा देने के कारण लाइन बंद हो गया था। जिससे त्वरित हटाकर विद्युत प्रवाह प्रारंभ किया गया, जिसके लिए इन्हे जगदलपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा सम्मानित भी किया गया।

वर्तमान में वे 09 जून 2011 से बालोद संभाग अंतर्गत करहीभदर वितरण केन्द्र में परीक्षण सहायक श्रेणी-एक के पद पर कार्य करते हुए पूर्व की भांति जिम्मेदारी पूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन करते हुए वर्ष 2012 में वितरण केन्द्र को मिले शून्य बकाया के लक्ष्य को पूर्ण कराने में इनके अथक प्रयास को देखते हुए संभागीय स्तर पर इन्हे बालोद में सम्मानित किया गया तथा वर्ष 2013 में बालोद संभाग के लाइन लॉस को कम करने में इनके योगदान को देखते हुए पुनः संभाग स्तर पर बालोद में सम्मानित किया गया।

जुलाई-अगस्त 2022 में करहीभदर वितरण केन्द्र अंतर्गत बेलोदा मुख्यालय के अनेक गांवों में अतिवृष्टि के फलस्वरुप बाढ की स्थिति उत्पन्न हो गयी तथा नदी नाले उफान पर थे। बाढ़ के कारण नाले के आसपास भी दूर-दूर तक पानी की धारा बह रही थी जिससे बेलोदा मुख्यालय के 22 गांवो में विद्युत आपूर्ति ठप पड़ गई। इस स्थिति में उपभोक्ताओं की समस्याओं को देखते हुए श्री गंगाराम समरथ एवं इनकी पूरी टीम ने हार नहीं मानी और अपनी बुलंद हौसले से उफनते नाले को पारकर खंभे तक पहुंच गए एवं विद्युत आपूर्ति को न्यूनतम समय में बहाल किया। स्वतंत्रता दिवस पर पॉवर कंपनी मुख्यालय रायपुर में इन्हें सम्मानित भी किया गया।

'काम के कारण न तो पिता के अंतिम संस्कार में पहुंच पाए और न ही सगी बहन की शादी में'

श्री मोहन लाल साहू

लाइन सहायक श्रेणी - एक
गुरुर वितरण केन्द्र

श्री साहू 1990 से गुरुर वितरण केन्द्र में कार्यरत हैं तथा वर्तमान में ला.सहा. श्रेणी-एक के पद पर पदस्थ हैं। कार्यक्षेत्र में दिन व रात का कोई ठिकाना नहीं रहता हैं, कई बार रात-रात भर लाइन फाल्ट होने पर कार्य करना पड़ता हैं, चाहे कोई भी मौसम हो। लाइन कर्मचारी को विभाग के प्रत्येक कार्य नया कनेक्शन, लाइन सुधार, फ्यूज ऑफ काल, बकाया वसूली जैसे विभिन्न कार्य करने पड़ते हैं। परन्तु हर कार्य को बहुत ही सहज ढंग से अपनी टीम के साथ सामंजस्य रखकर कार्य निष्पादित करने के लिए ही श्री मोहन लाल साहू जाने जाते हैं। उनके कार्य के प्रति समर्पण और लगाव को देखते हुए विगत 26 जनवरी 2023 को इन्हे क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग द्वारा सम्मानित किया गया।

वर्ष 1991 में इनके पिताजी की आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर इनके गांव से संदेश वाहक इनके पास आया लेकिन श्री साहू जी उस दिन 11 के.व्ही. लाइन ब्रेकडाउन को अटेंड करने पैदल पेट्रोलिंग करने ग्राम भरदा से चुल्हापथरा गये थे चूँकि उस समय मोबाइल फोन नहीं हुआ करता था, इसलिए व संदेश वाहक इन्हे खोजता रहा किन्तु उन्हे समय पर संदेश न मिल पाने के कारण वे अपने पिताजी के दाहसंस्कार में शामिल नहीं हो सके। इसी प्रकार ई.एच.टी. बिलासपुर में कार्य के दौरान जब वे शहडोल में थे, तब भी वे कंपनी के जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए अपनी सगी बहन की शादी में शामिल नहीं हो पाये थे। इस प्रकार श्री मोहन लाल साहू जी का जीवन कंपनी एवं कंपनी के जिम्मेदारियों को समय पर पूर्ण गुणवत्ता के साथ संपादित किया जाता रहा हैं। ▪



नया स्तंभ : जिंदगी के अंधेरे-उजाले

'संकल्प' में एक नए नियमित स्तंभ की शुरुआत की जा रही है, जिसका शीर्षक है 'जिंदगी के अंधेरे-उजाले'। मकसद है ऐसे कर्मवीरों की जिंदगी के अंधेरे-उजाले पहुलओं पर रोशनी डालना और इनके काम की चुनौतियों के साथ इनके जज्बे को सामने लाना। लाइनमेन इस श्रृंखला की अग्रिम पंक्ति के नायक स्वाभाविक रूप से हैं लेकिन ऐसे और भी कार्य हैं, जहां अपने दायित्वों का निर्वाह भी किसी युद्ध लड़ने से कम नहीं होता। बिजली घरों में बॉयलर, टरबाईन, कनवेयर बेल्ट, ट्रांसमिशन नेटवर्क में अति उच्चदाब क्षमता के विद्युत उपकेन्द्र, नदी-पहाड़-जंगल आदि स्थानों पर जान की बाजी लगाकर, जनसेवा करने वाले विद्युतकर्मी नायक-नायिकाओं को समर्पित होगा यह स्तंभ। कृपया कार्य की कठिनाईयों और जोखिमयुक्त कार्य दशाओं की तस्वीरें भी इस स्तम्भ के लिए अपने आलेख के साथ भेंजें। ▪ **संपादक**





केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई - 3

छत्तीसगढ़ के विद्युत उपभोक्ताओं के एनर्जी मीटरों की गुणवत्तापूर्ण एवं भारतीय मानकों (IS 13779 एवं 14697) के अनुरूप परीक्षण की सुविधा प्रदान करने की दिशा में CSPDCL द्वारा भिलाई-3 में 5.41 करोड़ रुपये की लागत से केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई की स्थापना वर्ष 2013 में की गई।

तात्कालीन उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन एवं केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई के अधिकारी एवं कर्मचारियों के अथक प्रयास से वर्ष 2018 में केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई को राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL) से राष्ट्रीय स्तर की मीटर परीक्षण प्रयोगशाला का दर्जा प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली।

NABL से मान्यता प्राप्त होने के बाद कंपनी द्वारा क्रय किये जाने वाले उन सभी एनर्जी मीटरों की सेम्पल टेस्टिंग, केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई में ही की जा रही है, जिन्हें पहले, भोपाल स्थित CPRI की प्रयोगशाला में भेजकर परीक्षण कराया जाता था और परीक्षण हेतु लाखों रुपये परीक्षण शुल्क के रूप में CPRI को भुगतान किया जाता था।

भिलाई-3 स्थित केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई में एनर्जी मीटरों को, जर्मनी ZERA कंपनी द्वारा निर्मित 0.02 Accuracy Class की ऑटोमेटिक टेस्ट बैंच की सहायता से भारतीय मानकों IS 13779 एवं 14697 में उल्लेखित मापदण्डों के अनुरूप वृहद एवं विस्तृत परीक्षण किया जाता है, जिनमें मीटर की Accuracy (दक्षता), मेग्नेटिक टेम्पर, 4KV AC High Voltage Test, Insulation Test, 35KV Spark Test एवं 800C तापमान में मीटर की दक्षता जांचने हेतु Hot Air Oven इत्यादि 16 प्रकार के विभिन्न परीक्षणों की सुविधा उपलब्ध है।

केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई की पूरी प्रक्रिया Online है। आवेदक से Online (E-mail) आवेदन प्राप्त कर, निर्धारित राशि का डिमांड नोट भेजा जाता है। शुल्क की राशि आवेदक द्वारा सीधे RAO

Durg के खाते में RTGS/NEFT के माध्यम से जमा की जाती है।

आवेदक द्वारा परीक्षण किये जाने वाले एनर्जी मीटर को केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग के सेंपल सेक्शन में जमा किया जाता है। मीटर परीक्षण के दौरान, टेक्नीशियन निष्पक्ष एवं निर्भिकता से अपना कार्य करें इसके लिए, लैब के अंदर भेजने से पहले प्रत्येक मीटर को Unique ID जारी किया जाता है।

पूर्व में कंपनी द्वारा क्रय किये गये एनर्जी मीटरों के Samples भोपाल स्थित CPRI की लैब में भेज कर टेस्ट कराये जाते थे, जिनकी टेस्टिंग शुल्क के रूप में प्रत्येक वर्ष लाखों रुपये CPRI को भुगतान किया जाता था। लेकिन वर्ष 2018 के बाद से सभी तरह से एनर्जी मीटरों की गुणवत्ता की जांच केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई के NABL मान्यता प्राप्त लैब में ही की जा रही है, जिससे कंपनी को करोड़ो रुपये का राजस्व की बचत हो रही है।

आंकड़ों के आधार पर देखें तो वर्ष 2019 से 2023 तक केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई की NABL लैब में मीटर परीक्षण के क्षेत्र में कंपनी को 6 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व (परीक्षण शुल्क) की बचत करते हुए 14000 से अधिक मीटरों की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया एवं राजस्व की बचत के साथ बाहरी एजेंसी (CPRI) को मीटर भेजकर परीक्षण में लगने वाले समय की भी बचत की, साथ ही प्राईवेट मीटरों (Solar Meter) का लैब में परीक्षण कर परीक्षण शुल्क के रूप में 1.35 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त किया।

नये मीटरों के अलावा प्रयोगशाला में मैदानी अधिकारियों (Vigilance / O&M) द्वारा जप्त या निकाले गये पुराने मीटरों का परीक्षण तथा MRI एवं LTCT का परीक्षण भी किया जा रहा है। इससे न केवल उपभोक्ताओं को नये कनेक्शन देने में तेजी आई बल्कि उपभोक्ताओं के पुराने मीटरों की शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण करने में भी सहायता मिली।

केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई में एनर्जी मीटरों के सूक्ष्म परीक्षण हेतु उच्चदक्षता वाले एवं केलिब्रेटेट उपकरणों का उपयोग किया जाता है। प्रयोगशाला की नियमित जांच ISO/IEC/IS 17025:2017 में दिये गये प्रावधानों के अंतर्गत NABL के निर्णायक दल (Assessors) द्वारा प्रत्येक वर्ष, केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई में आकर की जाती है। नियमित जांच के दौरान लैब के तकनीकी कर्मचारियों की ट्रेनिंग एवं योग्यता की परीक्षा ली जाती है। जिसके बाद पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद ही निर्णायक दल द्वारा लैब के NABL मान्यता की अवधि आगामी एक वर्ष के लिए बढ़ाई जाती है। यह प्रक्रिया प्रत्येक वर्ष अपनाई जाती है।

केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई के सभी कर्मचारी आगंतुकों से पूरा सहयोग करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर हर प्रकार की सहायता को तत्पर रहते हैं। केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई में मीटर परीक्षण हेतु आने वाले प्रत्येक आवेदक से Feedback लिया जाता है और उनके द्वारा दिये गये सुझावों को अमल में लाने का प्रयास किया जाता है।

केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई में आने वाले आगंतुको एवं विभागीय कर्मचारियों के लिए बैठने, पीने के स्वच्छ पानी पंखे, वॉशरूम तथा वाहन पार्किंग की पूरी व्यवस्था की गई है।

निकट भविष्य में केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला संभाग, भिलाई में पॉवर एवं डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर टेस्टिंग लैब, केबल कंडक्टर टेस्टिंग एवं सी.टी.पी.टी. टेस्टिंग का कार्य भी प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। ▪

NABL से मान्यता प्राप्त होने के पश्चात प्रयोगशाला में किये गये परीक्षण का विवरणः -

अवधि	मीटरों की संख्या	एल.टी.सी.टी. की संख्या	राजस्व प्राप्ति (करोड़ में)	राजस्व बचत (करोड़ में)	कुल (करोड़ में)
जनवरी 2019 - जून 2024	14057	6232	1.35	6.4	7.75

ट्रांसमिशन कंपनी में समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने अपने अधिकारी-कर्मचारियों के लिए समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कराया है। यह बीमा पालिसी 6 मई 2024 से प्रारंभ होकर 5 मई 2025 तक प्रभावशील रहेगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के साथ 7 मार्च 2024 को बीमा अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किये गए।

ट्रांसमिशन कंपनी की ओर से मानव संसाधन के कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार वर्मा और बीमा कंपनी की ओर से वरिष्ठ मंडल प्रबंधक श्री संदीप कुमार सिन्हा ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। बीमा के तहत ट्रांसमिशन कंपनी के सभी नियमित अधिकारी-कर्मचारियों को नियोजन के दौरान कार्य अवधि में दुर्घटनावश मृत्यु होने पर जोखिम राशि 15 लाख रूपए एवं अन्य अवधि में दुर्घटनावश मृत्यु होने पर जोखिम राशि 5 लाख रुपए प्रति व्यक्ति का भुगतान किया जाएगा। इसका वार्षिक प्रीमियम अधिकारी-कर्मचारी को नहीं देना होगा, पॉवर कंपनी इसका वार्षिक प्रीमियम दे रही है। दावा पत्रक प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर बीमा कंपनी जोखिम राशि अदा करेगी। पॉवर कंपनी को दुर्घटना की जानकारी 24 घंटे के भीतर बीमा कंपनी को देनी होगी तथा 30 दिनों के भीतर दावा प्रपत्र प्रस्तुत करना होगा।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचएल पंचारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी विंग कमांडर श्री ए श्रीनिवास राव, उपमहाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध) श्री गोपाल खंडेलवाल, प्रबंधक श्री अतुल तिवारी व बीमा कंपनी के सहायक प्रबंधक श्री अमित कुमार उपस्थित थे। ▪



श्री राजेशचंद्र अग्रवाल

कार्यपालक निदेशक, भण्डार एवं क्रय

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी मे कार्यपालक निदेशक भण्डार एवं क्रय के पद पर पदस्थ श्री राजेश चन्द्र अग्रवाल का जन्म 14 जनवरी 1963 को हमीरपुर उत्तर प्रदेश में हुआ। वे बचपन से ही तकनीकी विषयक के गहन अध्ययन में रुचि रखने वाले व्यक्ति रहे हैं। वर्ष 1978 में शासकीय स्कूल नौगांव (मध्यप्रदेश) से हायर सेकेण्डरी करने उपरान्त अपनी रुचि अनुरूप तकनीकी क्षेत्र में जाने का निर्णय लिये व इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कदम बढाते हुये शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रीवा (मध्यप्रदेश) में प्रवेश लिये। वर्ष 1984 में इलेक्ट्रिकल में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की उपाधि अर्जित की तथा वर्ष 1986 में सागर विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश से एम.बी.ए. की डिग्री प्राप्त की। वे 1986 में ही एक साथ दो परीक्षाओं में उतीर्ण होने में सफल रहें। यूपीएससी के आईईएस परीक्षा में चयनित होने के साथ-साथ मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में भी चयनित हुये किन्तु उन्होंने एमपीईबी में नौकरी को प्राथमिकता दी।

सहायक अभियंता प्रशिक्षु के पद पर वर्ष 1987 में ग्वालियर जबलपुर मध्यप्रदेश मे उन्होने विद्युत मंडल में सेवाएं प्रारंभ की। उन्होंने 220 केवी उपकेन्द्र भाटापारा, एमआरटी रायपुर मे वर्ष 1988 से 2005 तक कुल 18 वर्षों की लम्बी सेवा एक ही कार्यालय में दी। इस दौरान टेस्टिंग इंजीनियर के तौर पर ईएचवी सबस्टेशन में कार्य करना एवं विपरीत परिस्थितियों में सप्लाई प्रबंधन का कार्य अत्यधिक चुनौतिपूर्ण रहा। वर्ष 2006 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर क्रमशः कार्यालय एमआरटी बिलासपुर, मुख्य अभियंता ट्रांसमिशन, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) एवं कार्यालय प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) में सेवाएं देते रहे। अधीक्षण अभियंता के रूप में पुनः कार्यालय प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) में पदस्थापना प्राप्त हुई। वर्ष 2020 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत होते हुये हैट्रिक की तरह पुनः प्रबंध निदेशक कार्यालय में ही पदस्थ किये गये या यह कहना उचित होगा कि कार्यो में निपुणता व तकनीकी बारीकियों की समझ से तकनीकी विशेषज्ञ के रूप मे आपकी विशेष पहचान बनी। मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर भंडार एव क्रय के प्रमुख होने का गौरव प्राप्त हुआ व वर्ष 2024 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर इसी कार्यालय में यथावत सेवाएं दे रहें हैं।

आधुनिक इंजीनियरिंग का अध्ययन करने वर्ष 1999 में हाई वोल्टेज डायरेक्ट करेन्ट एच.बी.डी.सी. ट्रांसमिशन प्रणाली में विशेष प्रशिक्षण भी प्राप्त किये। वे मानते हैं कि सुनियोजित कार्य करने से समय पर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किये जा सकते हैं। वे इसी मूलमंत्र के साथ अब तक सभी कार्यों का सफल निष्पादन करते रहे।

वे पर्यटन का भी शौक रखते हैं, उनका मानना है कि जितनी दुनिया की सैर होगी, उतनी सीखने, जानने का दायरा बढेगा। फ्रांस, जर्मनी, स्वीटजरलैण्ड देश इनके पर्यटन सूची में शामिल है। वे मानते है कि सेवायात्रा में लगभग 19 वर्ष सहायक अभियंता के पद पर रहते हुए टेस्टिंग इंजीनियर के तौर पर ईएचवी सबस्टेशन में कार्य करना एवं विपरीत परिस्थितियों में सप्लाई प्रबंधन का कार्य अत्यधिक चुनौतिपूर्ण रहा।

परिवार में पत्नी श्रीमति सोमी अग्रवाल ने गृहणी के दायित्व के साथ आपको जीवन पथ पर निरंतर सहयोग करती रही। वे एमएससी, बीएड हैं। इनके दो संतान है पुत्र श्री पुष्किन बी.ई. की डिग्री हासिल कर एस.बी.आई. में असिस्टेंट वाईस प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत हैं। पुत्री कु. प्रिया बी.ई. कर डलाईट गुड़गॉव में सीनियर एडवाईजर के पद पर पदस्थ हैं। ▪



श्री जी. आनन्द राव

मुख्य अभियंता (उपकेन्द्र)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी मे मुख्य अभियंता (उपकेन्द्र) के पद पर पदस्थ श्री जी. आनन्द राव का जन्म 21 फरवरी 1963 को कवर्धा (छत्तीसगढ़) में हुआ। वर्ष 1980 में हायर सेकेण्डरी करने उपरान्त बी.ई. इलेक्ट्रिकल की उपाधि वर्ष 1986 में अर्जित की। वर्ष 1987 में अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल से करियर की शुरूआत की। उनकी पहली पदस्थापना प्रशिक्षु के रूप में 400 केवी लाइन कन्सट्रक्शन संभाग जगदलपुर में हुई।

वर्ष 1988 में एच वी डी सी कन्वर्टर स्टेशन बारसूर में सहायक अभियंता के दायित्व का निर्वहन करते रहे। इस पद पर वे 18 वर्षों तक बारसूर में ही रहे। उनका मानना है कि उस वक्त आदिवासी अंचल जहां विद्युत लाइन बिछाना और टॉवर के निर्माण का कार्य अल्प सुविधा व यातायात की कमी के साथ करना पड़ता था। ऐसी स्थिति में कार्य करना कठिन चुनौतीपूर्ण हुआ करता था। अभियंता के तौर पर उनके लिए यह सीखने का अच्छा अवसर था। उन्होंने सभी संपादित कार्य को निष्ठा के साथ निभाया। इसी का प्रतिफल है कि वर्ष 1991 में बारसूर लोवर सेलरू एच वी डी सी लाइन चार्ज कराने में महत्वपूर्ण योगदान देने का प्रशंसनीय कार्य किया और अध्यक्ष महोदय द्वारा सम्मानित किये गये। वर्ष 2006 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नित उपरांत कार्यालय अभियंता एम आर टी सबस्टेशन संभाग जगदलपुर में सेवाएं दी। यहां पर भी वे 10 वर्षों तक कार्यरत रहे। वर्ष 2016 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नत करते हुये कार्यालय (निदेशक परियोजना, रायपुर) में पदस्थ किये गए। इसी कार्यालय में रहते हुए वे वर्ष 2021 मे अति मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत हुए। वर्ष 2023 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और बिलासपुर क्षेत्र का दायित्व दिया गया। इसी पद पर वे मुख्य अभियंता (उपकेन्द्र) रायपुर की महत्ती जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे है।

इन 37 वर्षो की सेवायात्रा में उन्होंने विभिन्न पदों पर विभिन्न दायित्व का निर्वहन करते हुये कई विशेष परिस्थिति में उल्लेखनीय कार्य किये, जैसे 132 केवी उपकेन्द्र जगदलपुर में प्रभारी अधिकारी होने के साथ ही टेस्टिंग का कार्य किरंदुल, बारसूर एवं कांकेर में संपादित कर सुचारू रूप से विद्युत सप्लाई में अपना योगदान दिया। वर्तमान में विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण एवं मौजूदा उपकेन्द्र के विस्तार का कार्य किया, जिससे सिस्टम इम्प्रूवमेंट में फायदा हुआ ।

सेवायात्रा के साथ जीवन यात्रा में पत्नी श्रीमती जी पद्मावती का भरपूर साथ मिला। वे गृहणी के रूप मे परिवारिक जिम्मेदारियां निभा रही हैं। पुत्री कु. अरूणा एम.टेक. कर यू.एस.ए. में निवासरत हैं। इसी तरह दूसरी पुत्री भी एम टेक कर यू.एस.ए. में निवासरत हैं। पुत्र चि. नरेन्द्र बी. टेक., एम.बी.ए. कर आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक हैदराबाद मे कार्यरत हैं। वे फुरसत के पलों में शतरंज खेल को खेलना पसंद करते हैं। ▪



श्री गोपाल खण्डेलवाल

विभाग प्रमुख/ उपमहाप्रबंधक - औद्योगिक संबंध

श्री गोपाल खण्डेलवाल की पहचान एक प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी अधिकारी के रूप में है। उनका जन्म 30 जून 1965 को जबलपुर, मध्यप्रदेश में हुआ था। पिता का नाम स्व. बनवारी लाल खण्डेलवाल, माता का नाम श्रीमती गीतादेवी खण्डेलवाल है। बी.कॉम, एम.ए (समाजशास्त्र) तथा विधि स्नातक श्री खण्डेलवाल ने मध्यप्रदेश पी.एस.सी से चयनित होकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में अपना कैरियर शुरू किया। तत्पश्चात जनवरी 1991 में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल द्वारा आयोजित कल्याण अधिकारी चयन परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया और मंडल की सेवा में आए। उन्होंने अपनी सेवा की शुरूआत अमरकंटक विद्युत ताप विद्युत गृह, चचाई से किया। 1995 से 2005 तक कार्यालय कार्यपालक निदेशक (संचालन/संधारण) जबलपुर में पदस्थ रहे। वर्ष 2005 में औद्योगिक संबंध अधिकारी, मध्यप्रदेश विद्युत मंडल कार्यालय में विशेष कार्य हेतु प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ किए गए व पदस्थापना उपरांत उन्होंने 1 वर्ष कार्य किया। 2006 से 2008 तक मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में रहे तथा 2008 मे छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल में आए। यहां प्रारंभिक 3 माह अतिरिक्त सचिव कार्यालय में तथा वर्ष 2009 से 2012 तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में पदस्थ किए गए। यहां कार्यरत ठेका श्रमिकों को बैंक के माध्यम से भुगतान की अनूठी पहल की व कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अंतर्गत 168 श्रमिकों के परिवारों का बॉयोमेट्रिक कार्ड रात्रि 3 बजे तक बनवाया, जो कि छत्तीसगढ़ का एक दिन में सर्वाधिक बॉयोमैट्रिक कार्ड बनाने का कीर्तिमान था। तत्संबंध में, संयंत्र द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा प्रशंसा पत्र दिया गया।

वर्ष 2006 से वरिष्ठ कल्याण अधिकारी व मार्च 2013 से पदोन्नति उपरांत उपमहाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध) के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो कि औद्योगिक संबंध विभागाध्यक्ष का पद है। वे तब से लगातार 12 वर्षों से विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। वे पॉवर कंपनियों में सबसे वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक हैं। किसी भी उद्योग में औद्योगिक शांति व सौहार्द्र का विशिष्ट महत्व है तथा इसी लक्ष्य को भरसक साधने का कार्य श्री खण्डेलवाल द्वारा सतत किया गया है। पॉवर कंपनियों में कार्यरत श्रमिक संघों तथा संगठनों की हड़ताल की नोटिस प्राप्त होने के पश्चात उनके तत्परतापूर्वक प्रयासों व प्रबंधन के समन्वय से 60 से अधिक हड़तालें स्थगित / वापस ली गयीं। साथ ही, उनके द्वारा श्रम विभाग में संपन्न अनेक संराधन (कॉउन्सिलेशन) कार्यवाहियों में पॉवर कंपनी का पक्ष रक्षण किया। उन्होंने अपने सौम्य व्यवहार, कार्यशैली व कर्मचारी हितैषी कार्यों से संगठनों का विश्वास जीतने में सफलता हासिल की है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा उपक्रम होने के बावजूद यहां की औद्योगिक शांति एक मिसाल बनी है।

श्री खण्डेलवाल ने पहल करते हुए अनेक समस्याओं का समाधान किया और कंपनी के करोड़ों रुपये की बचत कराई है। माननीय उच्च न्यायालय/सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के दृष्टिगत ट्रांसमिशन कंपनी के अंतर्गत जारी ओवरटाइम भुगतान संबंधी नियमों में सुधार किया जिससे कंपनी को प्रतिवर्ष तीन से चार करोड़ रुपये की बचत हुई। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के उपरांत, रायपुर में नया मुख्यालय स्थापित होने के उपरांत, मुख्यालय में कार्यरत कर्मचारियों के कर्मचारी भविष्य निधि की कटौती अन्यत्र भविष्य निधि कोड में किये जाने व सम्पूर्ण प्रदेश में कटौती की राशि का निर्धारित प्रपत्र में वार्षिक विवरण कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को नहीं प्रेषित किये जाने के कारण अनेक वर्षों तक पॉवर कंपनी के कर्मचारियों की भविष्य निधि की राशि ''सस्पेंस खाते'' में लंबित पड़ी रहीं। इस संबंध में, अनेक विभागीय बैठकें आयोजित किये जाने व प्रकरणों के प्रभावी निराकरण हेतु समुचित/विस्तृत मार्गदर्शन/उत्तरदायित्व निर्धारण के संबंध में परिपत्र जारी कराये जाने व वृहद् रूप से व्यक्तिगत प्रयास/फॉलोअप किये जाने से सम्पूर्ण प्रदेश में लगभग एक हजार प्रकरणों का निराकरण हुआ, जिससे लगभग 6 से 7 करोड़ रुपये के सस्पेंस खातों का निराकरण संभव हो सका।

कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम के अंतर्गत क्षतिपूर्ति के अनेक प्रकरणों व अन्यान्य श्रम प्रकरणों में संबंधित अधिवक्ताओं द्वारा अपील किये जाने की सलाह दिये जाने के बावजूद अधिनियम/नियम के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए विधिक स्थिति प्रबंधन को सूचित की गयी, जिसके फलस्वरूप पॉवर कंपनी द्वारा ऐसे प्रकरणों में अपील नहीं करते हुए न्यायालयीन आदेशों का परिपालन किया गया, जिससे अनावश्यक व्यय को बचाया जा सका। श्री खण्डेलवाल ने अपने कार्य के अतिरिक्त विभिन्न अवसरों पर प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उप महाप्रबंधक (जनसंपर्क) व उप महाप्रबंधक (विधिक) के कार्यों का भी संपादन किया।

श्री खण्डेलवाल की लेखन, खेलकूद, संगीत, बागवानी, कम्प्यूटर, भाषा व श्रम विधियों के संबंध में न्याय दृष्टांतों के अध्ययन की अभिरुचि है। वे खेल पत्रकार भी रहे हैं। देश व प्रदेश के अनेक समाचार पत्र-पत्रिकाओं में खेल संबंधी लेखों का प्रकाशन व आकाशवाणी, जबलपुर से अनेक खेल गतिविधियों पर कार्यक्रमों का प्रसारण होता रहा है। नेहरू बाल संघ के तत्वावधान में सन् 1980-81 नई दिल्ली में आयोजित 14वें राष्ट्रीय एकता शिविर में म.प्र. का प्रतिनिधित्व करते हुए नाटक स्पर्धा में ''श्रेष्ठ वेशभूषा'' का पुरस्कार, इसके अलावा, वर्ष 1986-87 में नई दिल्ली में आयोजित 17वें राष्ट्रीय एकता शिविर में व वर्ष 1987-88 में पुणे में आयोजित 18वें राष्ट्रीय एकता शिविर में म.प्र. शाखा का नेतृत्व किया।

श्री खण्डेलवाल की पत्नी श्रीमती ममता खण्डेलवाल बी.ए, बी.एड., शिक्षित गृहणी है। उनकी पुत्री कु. साक्षी खण्डेलवाल बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बिट्स) पिलानी से कम्प्यूटर सांईस में बीई ऑनर्स व अर्थशास्त्र में एम.एससी (ऑनर्स) हैं। वे अमेजॉन बैंगलुरू में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर-II हैं। उनके सुपुत्र सृजन खण्डेलवाल ने भारतीय प्रौद्योगिकी-I संस्थान (आई.आई.टी), पटना स बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान) में किया तथा वे भी अमेजॉन, बैंगलुरु में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर हैं। ▪

इस स्तंभ में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनीज़ के वरिष्ठ अधिकारियों, विभाग प्रमुखों के जीवन वृत्त का प्रकाशन क्रमिक रुप से किया जा रहा है ताकि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से तीनों पॉवर कंपनियों के प्रदेश भर में पदस्थ अधिकारी तथा कर्मचारी प्रेरणा लें। अपने-अपने क्षेत्रों में श्रेष्ठतम कार्य निष्पादन के लिये न सिर्फ नियमित दायित्वों का निर्वाह श्रेष्ठता से करें बल्कि नवाचार से प्रचलित परिपाटियों में बेहतर सकारात्मक सुधार के माध्यम भी बनें।

▪ **संपादक**



अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पॉवर कंपनी मुख्यालय में सामूहिक योग



ऑनलाइन क्लासेस से निरंतरता...



अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ मुख्यालय, डंगनिया, रायपुर में योग महोत्सव का आयोजन कार्यालय कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन के तत्वावधान एवं श्री विनोद अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता के विशेष प्रयास से किया गया, जिसमें सुबह व शाम दो पालियों में सैकड़ों कर्मियों ने सीधे एवं ऑनलाइन से सामूहिक योग का अभ्यास किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पारेषण व वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि योग को दिनचर्या में शामिल करने से हम अपने मन को सदैव के लिये प्रसन्न और आनंदपूर्वक रख सकते हैं। आज हमें अच्छे तरीके से योग की प्रक्रिया बताई गई है, इसे नियमित करने से ही लाभ मिलेगा।

इंटरनेशनल योग विशेषज्ञ डॉ. आनंद भारतीय ने 125-125 व्यक्तियों के दो बैच में सुबह 6.30 बजे एवं शाम 5.30 बजे योग प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया। उन्होंने वर्तमान तनावमुक्त रहने एवं बीमारियों से निदान के लिए भी योग अभ्यास कराये। उनके साथ योग प्रशिक्षक पलाश चंद्राकर एवं प्रदीप सिन्हा सहायक के रूप में उपस्थित थे।

योग प्रशिक्षण में पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशक सर्वश्री एमएस चौहान, केएस मनोठिया, अशोक कुमार वर्मा, सीएमओ डॉ. एचएल पंचारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी विंग कमांडर ए श्रीनिवास राव सहित सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता पीएन सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया। आभार प्रदर्शन अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री विनोद अग्रवाल ने किया।

पॉवर कंपनी द्वारा दो महीने तक नियमित योग अभ्यास कराने की व्यवस्था की गई थी, जिसमें रोजाना सुबह-शाम तीन-तीन सत्रों में लाइव स्ट्रीम के जरिये सात सौ से अधिक प्रतिभागियों ने योग अभ्यास किया। इस अवसर पर लाइफस्टाइल डिजीज जैसे मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर आदि के लिए विशेष योग सेशन का भी आयोजन किया गया। ▪

शिक्षा और सेवा का ओज : डॉक्टरेट करने वाले इंजीनियर मनोज


मनोज वर्मा

मनोज कुमार वर्मा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के रायपुर नगर वृत्त- एक में अधीक्षण अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपने कार्यालयीन दायित्वों के श्रेष्ठता से निर्वाह के साथ ही अभियंता संघ में महत्वपूर्ण सेवाएं दी। साथ ही, अपने समाज के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए सामाजिक उत्थान में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। श्री वर्मा ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से सूचना प्रौद्योगिकी में एमबीए तथा मैट्स यूनिवर्सिटी से पीएच-डी की उपाधि प्राप्त की।

श्री वर्मा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्यरत होने के साथ ही अपनी बहुमुखी प्रतिभा तथा चैतरफा सक्रियता के लिए पहचाने जाते हैं। म.प्र. विद्युत मण्डल एवं छत्तीसगढ़ विद्युत मण्डल से लेकर वर्तमान कंपनी व्यवस्था तक में श्री वर्मा ने अभियंता संघ के नेतृत्वकर्ता के रूप में अनेक जिम्मेदारियों का निर्वाह किया है। वे छ.ग. अभियंता संघ में 2018-2022 (जून) विशेष आमंत्रित केन्द्रीय कार्यकारणी सदस्य भी रहे और वर्तमान में छ.ग. वि.मण्डल अभियंता संघ के महासचिव के पद पर अपनी सेवा प्रदान कर रहे है। वे श्रीराम पार्क रेसीडेन्सियल कॉलोनी के अध्यक्ष हैं।

वे मार्च- 2014 से अगस्त 2016 तक भोला कुर्मी ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष तथा 17 अगस्त 2016 से भोला कुर्मी ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में सेवा प्रदान कर रहे है। उन्होंने केन्द्रीय मनवा समाज एवं ट्रस्ट के बीच के वर्षों की विवाद को दूर कर तीन दशक से बंद छात्रावास को पुनः प्रारंभ करवाकर, सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें वर्ष 2018 कोरबा में विशिष्ट समाज सेवा हेतु सम्मानित किया गया। वे भोला कुर्मी ट्रस्ट केन्द्रीय मनवा कुर्मी समाज के केन्द्रीय सलाहकार प्रदेश कुर्मी समाज के सदस्य के रूप में समाज में अपनी भूमिका निभा रहे है। श्री वर्मा वर्ष 2006-07 में लायन्स क्लब, स्टील सिटी भिलाई के अध्यक्ष पद पर कार्य करते हुए बेस्ट अध्यक्ष के रूप में सम्मानित हुये। उन्हें लायन्स क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 323 सी के जोन चेयरपरसन पद पर पदोन्नत किया गया। बेस्ट जोन चेयरपरसन के रूप में भी सम्मानित हुए।

श्री वर्मा को विशेष उपलब्धियों के लिए वर्ष 2002 में विद्युत मण्डल का उत्कृष्टता पुरस्कार, वर्ष 2016-17 में कार्यपालन यंत्री (सतर्कता) के रूप में हैदराबाद में सम्मानित हुये। राज्य शासन के आयोजनों यथा आदिवासी समारोह एवं राज्योत्सव-2021 एवं 2022 में विभागीय प्रदर्शनी के लिए भी पुरस्कृत हुए। श्री वर्मा को वर्ष 2023 में टी.एंडडी लॉस टॉरगेट, अण्डरग्राऊंड केबलिंग, चौक-चौराहा सौंदर्यीकरण, मुख्यमंत्री निवास, राज्यपाल निवास, केबिनेट मंत्री स्टेट लेवल ऑफिस, व्ही.आई.पी., व्हीव्हीआईपी की विद्युत व्यवस्था, जैसे सराहनीय कार्यों के लिए जिला कलेक्टर रायपुर व्दारा 15 अगस्त-2023 को सम्मानित किया गया। मनवा कुर्मी केन्द्रीय अधिवेशन (24 फरवरी 2024) में उन्हें माननीय राज्यपाल, महाराष्ट्र श्री रमेश बैस जी के हाथों सम्मानित किया गया। वे भारतीय निर्माण महासभा के राज्य उपाध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

समाज सेवा की जय : डेढ़ दशक से महाराष्ट्र मंडल अध्यक्ष पद पर अजय


अजय काले

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यरत अनुभाग अधिकारी श्री अजय मधुकर काले अपनी आजीविका के लिए एक विद्युतकर्मी बने लेकिन समाजसेवा के उनके जुनून ने उन्हें प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संस्थाओं में से एक महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष पद पर पहुंचा दिया। श्री काले में किशोरावस्था से ही समाजसेवा की अभिरूचि जाग गई थी। युवावस्था में महाराष्ट्र मंडल की गतिविधियों को संचालित करने का अवसर मिला। उन्होंने महाराष्ट्र मंडल से मिले संस्कारों से समर्पित सदस्यों की टीम तैयार की और एक श्रेष्ठ टीम लीडर के रूप में पहचान बनाने में सफल रहे। उन्होंने आपसी समन्वय और समर्पण के माध्यम से महाराष्ट्र मंडल को सेवा के नये-नये आयामों और शिखरों में पहुंचाया। टीम वर्क के लिए उन्होंने स्वयं को एक मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में विकसित किया है।

श्री काले ने 1989 में कार्यकारिणी सदस्य के रूप में महाराष्ट्र मंडल में सक्रिय रूप से सेवा की शुरूआत की थी। 2008 में कार्याध्यक्ष बने और 2010 में अध्यक्ष की जिम्मेदारियां संभाली। इस तरह विगत 14 वर्षों से वे लगातार महाराष्ट्र मंडल को नई ऊचांइयों पर ले जा रहे हैं। वे 66 बार स्वयं रक्तदान कर चुके हैं। देहदान का संकल्प पत्र एम्स रायपुर में जमा कर चुके हैं।

श्री काले के नेतृत्व में महाराष्ट्र मंडल के अंतर्गत अनेक संस्थाएं संचालित की जा रही हैं- दिव्यांग बालिका विकास गृह, संत ज्ञानेश्वर विद्यालय, फिजियोथैरेपी सेंटर, कामकाजी महिला व सतीगृह, वस्तीगृह और छात्रावास, 15 महिला केंद्र, बाल वाचनालय, बापू की कुटिया आदि। उन्होंने महाराष्ट्र मंडल के पितृपुरूष श्री टी.एम घाटे के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र मंडल के पुराने भवन को तोड़कर सर्वसुविधायुक्त वातानुकूलित भवन, आवासीय सुविधा तथा ऑडिटोरियम का निर्माण किया गया।

इसके अलावा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, जरूरतमंदों को निःशुल्क उपकरण प्रदाय, कोरोना के दौरान प्रदेश के बाहर के सामाजिक सदस्यों की मदद आदि अनेक कार्यों में संलग्न रहे। महाराष्ट्र मंडल में अब 4000 से अधिक सदस्य हैं व विभिन्न प्रकल्पों में 100 से अधिक कर्मचारी हैं जिनके वेतन का प्रबंध भी महाराष्ट्र मंडल करता है।

महिला मंडल की हलचल

आदर्शिनी महिला मण्डल, रायपुर



आदर्शिनी महिला मंण्डल, रायपुर की सदस्याओं ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं ने राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत गीतों पर रंगारंग प्रस्तुतियां दी। अध्यक्ष श्रीमती कटियार व सह अध्यक्ष श्रीमती मंजुला सिंह द्वारा पौधा रोपण कर उनकी देखभाल करने पर जोर दिया। वहीं पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी वर्षा पटेल, अर्चना चोरनेले, अर्चना बन्छोर, अंशु ओझा व श्रृंखला सोनी ने ली। इस मौके पर नवीन कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सचिव प्रिया चौहान, संयुक्त सचिव वन्दना खंडेलवाल व अमिता जैन, ट्रेजरार प्रवीणा बापट व प्रशांति मूर्ति, सलाहकार अंजलि चन्द्रा व आभा शुक्ला तथा सांस्कृतिक सचिव पूनम विश्वकर्मा को सर्वसम्मति से चुन लिया गया। कार्यक्रम मे सुषमा सिंह, माधुरी निगम, दीपांजलि भालेराव, अपर्णा भट्ट, शालू पांडे, शोभा सक्सेना, रुपाली श्रीवास्तव नीलम भादे, मधुमिता रॉय आदि उपस्थित थी।

संकल्प महिला मंडल, कोरबा



संकल्प महिला मंडल एचटीपीएस कोरबा पूर्व द्वारा सावन उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर संकल्प महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती निहारिका शर्मा एवं उपाध्यक्षों के मार्ग दर्शन में संगम तरंगों की थीम पर धार्मिक-आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं बॉलीवुड फेवरेट श्रेणी में विभिन्न तीज-त्योहारों, बॉलीवुड एवं छत्तीसगढ़िया लोक गीतों पर आधारित नृत्यों की सुंदर एवं कलात्मक प्रस्तुति की गई। श्रीमती शशि देशमुख सावन क्वीन, श्रीमती स्मिता करकरे फर्स्ट रनर अप तथा श्रीमती स्वाति जैन सेकंड रनर अप रहीं। इस अवसर पर श्रीमती प्रभा कटियार, श्रीमती निहारिका शर्मा, श्रीमती निवेदिता बंजारा, श्रीमती सविता सचदेवा के साथ अन्य महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहे।



आशिता संग अभिषेककुमार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग के कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार वर्मा एवं श्रीमती सुनीता वर्मा की सुपुत्री आशिता का विवाह अभिषेक कुमार सुपुत्र श्रीमती सरिता एवं श्री मिथलेश कुमार के साथ 19 अप्रैल को पुरी में सोल्लास संपन्न हुआ।

रीनीता संग अमन



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यालय मुख्य अभियंता दुर्ग क्षेत्र में कार्यरत निज सचिव श्री सुधीर कुमार ताम्रकार की सुपुत्री सौ. का. रीनीता ताम्रकार का शुभ विवाह दुर्ग निवासी श्री नितीश ताम्रकार के सुपुत्र चि.अमन ताम्रकार के संग 11 जुलाई 2024 को संपन्न हुआ। ▪

होनहार-बिरवान....



श्रीतेश जामुलकर- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर एवं लेक्चरर श्रीमती किरण जामुलकर के बड़े सुपुत्र श्री श्रीतेश जामुलकर ने मास्टर इन कम्प्यूटर साइंस विषय में मास्टर्स की उपाधि ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन (आयरलैंड) से प्राप्त की। मास्टर्स की उपाधि हासिल करने के पश्चात् श्रीतेश टीएचजी कंपनी, मैनचेस्टर (यूनाईटेड किंगडम) के कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। ▪



रूचिता अग्रवाल- कुमारी रूचिता अग्रवाल ने आईसीएआई द्वारा आयोजित अखिल भारतीय स्नातक स्तर वाणिज्य ओलंपीयाड दिसम्बर 2023 में प्रथम स्थान एवं 10,000 रु. नकद इनाम प्राप्त हुआ है। कु. रूचिता अग्रवाल राज्य भार प्रेषण केन्द्र में कार्यरत श्री गिरीश गुप्ता अतिमुख्य अभियंता की कनिष्ठ पुत्री है। ▪




श्रीमती सरोज तिवारी, श्री जी एम कश्यप, श्री आशीष श्रीवास्तव - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी से कार्यपालक निदेशक (राजस्व) श्रीमती सरोज तिवारी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) पोषण कुमार कश्यप एवं मुख्य अभियंता (टी. एण्ड क्यू.) श्री आशीष श्रीवास्तव को सेवानिवृत्ति 30 जून पश्चात भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एस. के. कटियार, पॉवर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला सहित कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य अभियंतागण उपस्थित थे। प्रबंधक निदेशकगणों ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह में श्रीमती तिवारी एवं श्रीवास्तव ने अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) उमेश कुमार मिश्र ने किया।



श्री अविनाश सोनेकर - रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (ईएचटी) श्री अविनाश सोनेकर को 37 वर्ष की सेवा अवधि उपरान्त कंपनी मुख्यालय में 31 जुलाई भावभीनी विदाई दी गई। मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में मानव संसाधन (सीएसपीटीसीएल) द्वारा आयोजित विदाई कार्यक्रम में एमडी ट्रांसमिशन श्री राजेश कुमार शुक्ला, एमडी डिस्ट्रीब्यूशन श्री भीमसिंह कंवर ने उन्हें कंपनी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र, शॉल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त श्री अविनाश सोनेकर ने सेवाकाल मे अधिकारियों से मिले सहयोग व टीमवर्क को अपनी सफलता का मूलमंत्र बताया। श्री सोनेकर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन दोनों क्षेत्रों के विशेषज्ञ रहे हैं। संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

श्री विनोद गोवर्धन, श्री भूषणलाल वर्मा, श्री आरिफ अली, श्री भूपेंद्र कुमार टांक, श्री रघुवीर ध्रुव - साथ ही प्रदेश स्तर में ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री विनोद गोवर्धन, अनुभाग अधिकारी बिलासपुर श्री भूषणलाल वर्मा, अनुभाग अधिकारी रायपुर श्री आरिफ अली, मानचित्रकार (सिविल)श्री भूपेंद्र कुमार टांक एवं लाइन सहायक श्रेणी एक श्री रघुवीर ध्रुव को भी भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर ट्रांसमिशन के कार्यपालक निदेशक, मुख्य अभियंतागण एवं कार्यालयीन स्टाफ मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल ने किया।



श्री उमेश ब्रम्हे, श्री संतोष भोई, श्री अरूण सोनी, श्री फुल्लम चंद्राकर, श्री निर्मल दास - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग अधीनस्थ औद्योगिक संबंध कार्यालय से अनुभाग अधिकारी उमेश कुमार ब्रम्हे को 30 जून को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता विनोद कुमार अग्रवाल, विंग कमाण्डर ए.श्रीनिवास राव, उपमहाप्रबंधक (आई.आर.ओ.) गोपाल खण्डेलवाल, उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) पंकज सिंह, कल्याण अधिकारी अतुल तिवारी उपस्थित थे। इस अवसर पर अग्रवाल ने ब्रम्हे को शॉल, श्रीफल एवं प्रतीकात्मक भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी ने किया। वित्त विभाग सें भी सहायक प्रबंधक संतोष कुमार भोई, निज सचिव अरूण कुमार सोनी, अनुभाग अधिकारी फुल्लम चंद्राकर एवं अनुभाग अधिकारी निर्मल प्रसाद दास को विदाई दी गई। इस अवसर पर ईडी एमएम चौहान, संदीप मोदी, वाई.बी. जैन एवं श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य विशेष रूप से उपस्थित थे।



श्रीमती उमा दुग्गल, डॉ. दीपक दीवान, श्रीमती बिन्ध्यवासिनी श्रीवास्तव, श्री भारत सिंह यादव, श्री राजेन्द्र चन्द्राकर, मोहम्मद यूनूस, श्री पूरन बहादुर भुवाल, कु. पुष्पा अब्राहम, श्री डी. रतन कुमार, श्री एम.अप्पा राव, श्रीमती शालिनी वाहने- संचारण-संधारण संभाग दुर्ग में पदस्थ कार्यपालन अभियंता ए.के.बिजौरा सहित रीजन के 12 अधिकारी/कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता एम. जामुलकर ने जून माह में सेवानिवृत्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। शहर वृत्त से निज सचिव श्रीमती उमा दुग्गल, संचारण-संधारण संभाग भिलाई से कार्यालय सहायक श्रेणी-एक डॉ. दीपक दीवान एवं बिन्ध्या वासिनी श्रीवास्तव, परिचारक श्रेणी-एक लाइन भारत सिंह यादव एवं राजेन्द्र कुमार चन्द्राकर, एसटीएम संभाग भिलाई से जूनियर सुपरवाईजर(टेस्टिंग) मोहम्मद यूनूस, शहर पश्चिम संभाग भिलाई से लाइन सहायक श्रेणी दो पूरन बहादूर भूजाल एवं कार्यालय सहायक श्रेणी एक कु.पुष्पा अब्राहम, शहर संभाग दुर्ग से परिचारक श्रेणी एक लाइन डी.रतन कुमार, बालोद संभाग से लाइन सहायक श्रेणी दो एम.अप्पा राव एवं वृत्त कार्यालय दुर्ग से भृत्य श्रीमती शालिनी वाहने को भावभीनी विदाई दी गई। अतिरिक्त मुख्य अभियंता एच.के.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता एस.मनोज, ए.के.लखेरा एवं तरुण कुमार ठाकुर आदि उपस्थित थे।



डॉ. हेमंत सचदेव, श्री सुबोध शुक्ला, श्रीमती गायत्री श्रीवास, श्री ब्रम्हैया - डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से माह जुलाई-2024 में कार्यपालक निदेशक सर्वश्री डॉ. हेमंत सचदेव, कार्यपालन अभियंता सुबोध शुक्ला, प्रशासनिक अधिकारी गायत्री श्रीवास, अनुभाग अधिकारी, संयंत्र परिचारक श्रेणी-दो, ब्रम्हैया अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुये। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता संजीव कंसल, अति. मुख्य अभियंता - अंजना कुजुर, राजेश्वरी रावत, एल.एन. सूर्यवंशी एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ मालती जोशी उपस्थित रहे। श्री संजीव कंसल ने सेवानिवृत्त हो रहे डॉ. हेमंत सचदेव की सेवाओं का उल्लेख किया। कार्यपालन अभियंता पन्नालाल साहू द्वारा कार्यक्रम का संचालन, आभार प्रदर्शन अधी. अभियंता (मा.संसा.), देवी शंकर राय द्वारा किया गया।



श्री संजय शर्मा, श्रीमती सारथी करकरे, श्री रामचंद्र मुदलियार, श्री कार्तिक राम, श्री शंकर लाल चंद्रा, श्री लाल सिंह भवेदी, श्री तसलीम मोहम्मद, श्री बलराज सिंह ठाकुर, श्री मुद्रिका प्रसाद चतुर्वेदी, श्री राम प्यारे लोधी, श्री जी. वैंकटैया, श्री लक्ष्मण दास मानिकपुरी- हसदेव ताप विद्युत गृह से जुलाई माह में सेवानिवृत्त हुए संयंत्र के कार्यपालक निदेशक(उत्पा.) - सर्वश्री संजय शर्मा, अधीक्षण अभियंता - सारथी करकरे, कार्यपालन अभियंता - रामचंद्र मुदलियार, वरिष्ठ पर्यवेक्षक - कार्तिक राम, कनिष्ठ पर्यवेक्षक - शंकर लाल चंद्रा, लाल सिंह भवेदी, तसलीम मोहम्मद, बलराज सिंह ठाकुर, मुख्य सुरक्षा सैनिक - मुद्रिका प्रसाद चतुर्वेदी एवं राम प्यारे लोधी, संयंत्र परि. श्रेणी दो - जी. वैंकटैया, दफ्तरी - लक्ष्मण दास मानिकपुरी के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसमें अति. मुख्य अभियंता - पी.के स्वेन, एम.के गुप्ता, राजेश कुमार पांडेय, सुधीर कुमार पंड्या, संजय कुमार तिवारी, बी.पी पाटले, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ - ए.के कुरनाल श्रीमती प्रभा कटियार एवं संकल्प महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती निहारिका शर्मा विशेष रुप से उपस्थित थीं। अति. मुख्य अभियंता - राजेश कुमार पांडेय ने सेवानिवृत्त जनों के प्रति कंपनी प्रबंधन की ओर से आभार प्रदर्शित किया। विदाई कार्यक्रम का समापन रवीन्द्र साहू,मंच संचालन कल्याण अधिकारी - सुरेश सिंह कंवर द्वारा किया गया।



श्री अमित चटर्जी, श्री दुर्गा शंकर दीक्षित, श्री चन्द्र चूड़ बनर्जी, श्रीमती पूर्णिमा श्रीवास्तव, श्री लखन लाल मरावी, श्री गुरूनंदन राजवाड़े, श्री शांत साहू, श्रीमती लक्ष्मी नारायण पाण्डेय श्री इक्तीदार अहमद खान - डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से माह जून-2024 में अधीक्षण अभियंता सर्वश्री अमित चटर्जी, निज सहायक दुर्गा शंकर दीक्षित, अनुभाग अधिकारी चन्द्र चूड़ बनर्जी, पूर्णिमा श्रीवास्तव, वरिष्ठ पर्यवेक्षक लखन लाल मरावी, कनिष्ठ पर्यवेक्षक गुरूनंदन प्रसाद राजवाड़े, शांत कुमार साहू, लक्ष्मी नारायण पाण्डेय एवं संयंत्र सहायक श्रेणी-दो इक्तीदार अहमद खान अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति होने पर कार्यपालक निदेशक (उत्पा.), डॉ. हेमंत सचदेव एवं अति. मुख्य अभियंता - अंजना कुजुर, राजेश्वरी रावत, संजीव कंसल, एल.एन. सूर्यवंशी एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ मालती जोशी के आतिथ्य में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी/कर्मचारी गण, यूनियन के पदाधिकारीगण, पेंशनर एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी/कर्मचारी के परिवारजन उपस्थित थे। कार्यपालन अभियंता श्री पन्नालाल साहू द्वारा कार्यक्रम का संचालन, आभार प्रदर्शन अधी. अभियंता (मा.संसा.) श्री देवी शंकर राय द्वारा किया गया।



श्री गणेश गढ़पायले - राजनांदगांव क्षेत्र के वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय में पदस्थ दफ्तरी श्री गणेश गढ़पायले 30 जून को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई। इस विदाई समारोह में गणेश गढ़पायले ने अपने सेवाकाल का विवरण देते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सहयोग के लिए आभार जताया। इस अवसर पर लेखाधिकारी भावेश वाल्दे, अनुभाग अधिकारी अमर लाल चौहान, आर.के. झारिया, संतोष ठाकुर, एस.के. वर्मा, एम.के. साहू, श्रीमती विनिता खंडेलवाल, जे.पी. साहू, श्रीमती भारती यादव इत्यादि उपस्थित रहे।



श्री एम.एस सुरेश, श्री शिवहरी सिंह टेकाम, श्री जोसेफ मिंज, श्री युवराज दास वैष्णव, श्री गणपत लाल राठौर, श्री घना राम साहू, श्री प्यारे लाल कंवर, श्री रामपाल सिंह, श्री अश्वमेर सिंह, श्री अथनस तिर्की, श्री ऋषि कुमार चंद्रा, श्री कृष्ण कुमार कौशिक, श्री प्रहलाद कुमार, श्री स्वामी लाल सोनवानी- हसदेव ताप विद्युत गृह से जून में अधीक्षण अभियंता- सर्वश्री एम.एस सुरेश एवं शिवहरी सिंह टेकाम, वरिष्ठ पर्यवेक्षक - जोसेफ मिंज, अनुभाग अधिकारी - युवराज दास वैष्णव एवं गणपत लाल राठौर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक - घनाराम साहू, प्यारे लाल कंवर, रामपाल सिंह, अश्वमेर सिंह, अथनस तिर्की, ऋषि कुमार चंद्रा, कृष्ण कुमार कौशिक एवं प्रहलाद कुमार तथा संयंत्र सहा.- दो - स्वामी लाल सोनवानी अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। कार्यक्रम कार्यपालक निदेशक(उत्पा.)-सर्वश्री संजय शर्मा एवं अति. मुख्य अभियंता - पी.के स्वेन, सुधीर कुमार पंड्या, एम.के गुप्ता तथा आर.के पांडेय के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संयंत्र प्रमुख व मंचस्थ विशिष्ट अतिथियों द्वारा सेवानिवृत्त कर्मियों को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र व कलाई घड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी - सुरेश सिंह कंवर द्वारा किया गया ।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)

CIN - U40108CT2003SGC015820

कार्यालयः कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन)

क्रमांक 01-01/ चिकित्सा/4819रायपुर, **दिनांक 16.08.2024**

परिपत्र

विषय : स्टेट पॉवर कंपनियों की चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त करने हेतु परिवार की परिभाषा।

छ.ग. स्टेट पॉवर कंपनियों द्वारा चिकित्सा सुविधायें प्रदान करने हेतु विद्युत कर्मिया एवं पेंशनरों के लिये परिवार में शामिल सदस्यों के मापदण्डों को लेकर निम्नानुसार पुनर्निर्धारित किया जाता है- **परिवार में निम्न शामिल है -**

क्रम	सदस्य	विवरण
1	स्वयं	छ.ग. राज्य पॉवर कंपनियों में कार्यरत नियमित विद्युत कर्मी / पेंशनर (OPS/NPS)
2	जीवनसाथी	▪ जीवनसाथी (पति/पत्नी) परिवार में स्वमेव शामिल हैं (जब तक उनका तलाक न हो जाए) ▪ उन पर आश्रित होने के आय संबंधी मापदंड लागू नहीं होगें। ▪ यदि दोनों (पति एवं पत्नी) पावर कंपनी के नियमित विद्युत कर्मी है, तो दोनों में से कोई एक, स्वयं एवं परिवार के सदस्य चिकित्सा सुविधा का लाभ ले सकेंगे। ▪ यदि वे केन्द्र/राज्य सरकार या उनके उपक्रम / निजी क्षेत्र में कार्यरत है एवं अपने संबंधित नियोजक से निश्चित चिकित्सा भत्ता या चिकित्सा सुविधा प्राप्त नहीं कर रहे हैं, तो ऐसे जीवनसाथी (पति/पत्नी) को नियंत्रणकर्ता अधिकारी से इस आशय का प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा।
3	संतान	▪ प्रथम दो जीवित संतान परिवार में शामिल होंगें, (यदि दूसरी प्रसूति से जुडवा संज्ञान होने पर तीसरी संतान (अधिकतम तीन जीवित संतान) भी परिवार में शामिल होगी) परंतु यदि, परिपत्र जारी होने के दिनांक अर्थात 15 अगस्त 2024 को या उसके पूर्व तीसरी संतान का जन्म हुआ हो, तो ऐसे प्रथम तीन सभी जीवित संतानें परिवार में शामिल होंगी, और यदि तीसरी प्रसूति से जुड़वा संतान होने पर चौथी संतान भी (अधिकतम चार जीवित संतान) परिवार में शामिल होगी। ▪ उपरोक्त में विधिक रूप से गोद लिये गये संतान भी शामिल हैं।
	पुत्र	▪ 25 वर्ष से कम आयु के अविवाहित, आश्रित पुत्र। ▪ शारीरिक / मानसिक दिव्यांग आश्रित, अविवाहित पुत्र, बिना किसी उपरी आयु सीमा के।
	पुत्री	▪ अविवाहित/विधवा/तलाकशुदा पति से अलग रह रही साजित पुत्री, बिना किसी आयु सीमा के
4	माता-पिता/ सास-ससुर	केवल नियमित विद्युत कर्मी को अपने आश्रित माता-पिता या सास-ससुर दोनों में से कोई एक जोड़े का चयन करना होगा, जो साधारणतः उनके साथ वर्ष भर निवास करते हो तथा उन्हें किसी अन्य संतान के माध्यम से किसी प्रकार की विभागीय चिकित्सा सुविधा/स्वास्थ्य बीमा सुविधा उपलब्ध ना हो। विवाहित विद्युत कर्मी के लिये एक बार चयनित विकल्प सामान्यतः अपरिवर्तनीय रहेगा।

शर्तेः-

1. सभी विद्युत कर्मी/पेंशनर्स का दायित्व होगा कि वे सदस्यों के आश्रित छान संबंधी आप एवं अन्य मापदंडी को पूरा करने के सबंध में संलग्न निर्धारित प्रारूप में आवेदन /घोषणा पत्र अपने नियत्रणकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 30 नवंबर 2024 तक जमा कर तथा जानकारियों में बदलाव होने पर समय-समय पर मोबाइल एप में अद्यतन (अपडेट) करने के साथ ही उपरोक्त प्रारूप में आवेदन देना भी सुनिश्चित करें।
2. शारीरिक अथवा मानसिक दिव्यांगता का जिला मेडिकल वार्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
3. आश्रित होने के लिए न्यूनतम वार्षिक आय के मापदण्ड प्राप्त/ सभी स्रोतों से पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त/ प्राप्य आय, उसी अवधि में देय न्यूनतम बेसिक पेंशन+ मंहगाई राहत (केन्द्र सरकार द्वास घोषित दरों के अनुसार) के योगफल से अधिक नहीं होना चाहिए।

   उदाहरण-

   वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आश्रित होने के लिए न्यूनतम वार्षिक आय के मापदण्ड
   बेसिक पेंशन रू. 9000 x 12 = 1,08,000
   कुल मंहगाई राहत = 49,680
   अप्रैल2023 से जून 2023 तक @ 42%, 3780 x 3=11,340
   जुलाई 2023 से दिसंबर 2023 तक @ 46%, 4140x6=24,840
   जनवरी 2024 से मार्च 2024 तक @ 50%, 4500x3=13,500
   कुल वार्षिक आय सीमा रू. 1,57.680 होगी।
4. यदि पिछले वित्तीय वर्ष में किसी आश्रित की सभी स्त्रोतों से प्राप्त / प्राप्य आय, (संतान के प्रकरण में स्वंय की तथा माता-पिता/सास-ससुर के प्रकरणों में, दोनों संबंधित सदस्यों की सम्मिलित आय) उपरोक्त शर्ते-3 में उल्लेखित सीमा से अधिक हो, तो अगले वित्तीय वर्ष में चिकित्सा सुविधा हेतु वे आश्रित नहीं माने जाएगें। प्रत्येक विद्युत कर्मी एवं पेंशनर का दायित्व होगा कि वे प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर यह सुनिश्चित करें कि परिवार में शामिल आश्रित सदस्यों की आय निर्धारित सीमा से अधिक ना हो। आय, निर्धारित सीमा से अधिक होने पर इसकी जानकारी तत्काल मोर बिजली कंपनी मोबाईल एप में अपडेट करें तथा नियंत्रणकर्ता अधिकारी के कार्यालय में संलग्न प्रारूप में आवेदन / घोषणा पत्र, प्रस्तुत करते हुए संबंधित सदस्य के लिय चिकित्सा सुविधा का लाभ ना लेवें।

5 सभी कंपनियों के चिकित्सा अधिकारी, नियंत्रक अधिकारी एवं नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगें कि उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार ही विद्युत कर्मी / पेंशनर्स एवं पात्र आश्रितों को ही पावर कंपनी की चिकित्सा सुविधा/चिकित्सा कार्ड/ उपचार हेतु स्वीकृति की सुविधा मिल सके।

6 यदि विद्युत कर्मी / पेंशनर्स / चिकित्सक, उपरोक्त प्रावधानों का दुरुपयोग कर चिकित्सा सुविधा का अनुचित लाभ लेते हैं या लेने का प्रयास करते हैं, तो इसे गंभीर प्रकृति का कदाचरण मानते हुए उनके विरूद्ध कड़ी से कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही जैसे-बिना सेवानिवृति लाभों के सेवा से बखांस्तगी की कार्यवाही सिविल सेवा आचरण नियम के तहत की जा सकती है एवं कानूनी कार्यवाही भी की जा सकती है।

इस परिपत्र के प्रावधान पूर्व में जारी परिपत्रों के प्रावधानों को अधिक्रमित करते हुए, परिपत्र के जावक दिनांक से लागू होगें।

संलग्नः आवेदन / घोषणा पत्र का प्रारूप (सक्षम अनुमोदनोपरांत जारी)

कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

FAQ

कैशलेश हेल्थ स्कीम में द्वितीय संशोधन

कैशलेश हेल्थ स्कीम के तहत नेटवर्क अस्पतालों को पांच श्रेणियों में बांटा गया है, जहां इलाज/जांच हेतु अधिकांश अस्पतालों में कैशलेश चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है |

प्रश्न 1 - श्रेणी-1 के अस्पतालों हेतु क्या प्रावधान है?

उत्तर - इस श्रेणी के तहत सीजीएचएस (प्लस) दर में कैशलेस चिकित्सा हेतु अनुबंधित 284 अस्पताल हैं जिसमें अधिकांश छत्तीसगढ़ में ही है। इन अस्पतालों में सीजीएचएस +प्लस की दरों पर होने वाले इलाज में कोई को पे (co-pay) नहीं लगेगा।

प्रश्न 2- श्रेणी-2 के अस्पतालों हेतु क्या प्रावधान है?

उत्तर - इस श्रेणी के तहत ऐसे शासकीय, चैरिटेबल तथा पब्लिक सेक्टर उपक्रम के अस्पताल जो सामान्यतः कैशलेस आधार पर चिकित्सा सुविधा नहीं देते हैं जैसे BSP, sector 9, TATA cancer mumbai आदि।

ऐसे अस्पतालों के लिए प्राईवेट वार्ड में अस्पताल की दर पर इलाज ले सकेंगे।

जिसमें उपचार/जांच पर हुए खर्चों का भुगतान प्रथमतः हितग्राही द्वारा स्वयं किया जावेगा तत्पश्चात् वे ऐसे खर्चों की उसी दर पर प्रतिपूर्ति मिलेगी। (रीइम्बर्समेंट प्राप्त कर सकेगें)।

प्रश्न 3- श्रेणी-3 के अस्पतालों हेतु क्या प्रावधान है?

उत्तर - इस श्रेणी के तहत ऐसे अस्पताल जिन्हें नान- सीजीएचएस दर (अर्थात् अस्पताल रेट) पर अनुबंध किये गये हैं, ऐसे अस्पतालों ने इलाज हेतु अस्पताल की दर पर 15% तक डिस्काउंट दिया है। ऐसे अस्पतालों में इलाज कराने पर 25% को पे (co-pay) लगेगा।

प्रश्न 4- श्रेणी-4 के अस्पतालों हेतु क्या प्रावधान है?

उत्तर - इस श्रेणी के तहत ऐसे अस्पताल जिन्हें नान - सीजीएचएस दर में कैशलेस चिकित्सा हेतु आई.एस.ए. ग्रुप कंपनी से डिस्काउंटेड रेट में अनुबंध हुआ है। ऐसे अस्पतालों में इलाज कराने पर 30% को पे (co-pay) लगेगा।

प्रश्न 5- श्रेणी-5 के अस्पतालों हेतु क्या प्रावधान है?

उत्तर - इस श्रेणी के तहत ऐसे आयुर्वेद, योग्य और प्राकृतिक चिकित्सा उपचार हेतु अस्पताल जिन्हें चिकित्सा केन्द्र, जो केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा संचालित/अनुमोदित या एनएबीएच से मान्यता प्राप्त या सीजीएचएस में सूचीबद्ध या स्टेट पावर कंपनी में सूचीबद्ध अस्पतालों हैं। ऐसे अस्पतालों में इलाज कराने पर 50% को पे (co-pay) लगेगा और अधिकतम विकल्प एक वाले को 15,000 तथा विकल्प दो को 10,000 प्रतिपूर्ति योग्य।

प्रश्न 6. योजना में नए मुख्य संशोधन क्या क्या हैं?

उत्तर - निम्न मुख्य संशोधन 15 अगस्त 2024 से लागू हैः-

1. नेटवर्क अस्पतालों को 5 श्रेणियों में इस प्रकार विभाजित किया गया है, कि सभी लाभार्थियों को (जिसमें विकल्प 1 और 2 दोनो शामिल हैं) प्राइवेट वार्ड में इलाज बिना किसी वार्ड किराया सीमा के मिल सकेगा।

2. पहले बड़े अस्पताल CGHS या GIPSA रेट में कैशलैस की सुविधा देने के लिए नेटवर्क में जुड़ने के लिए तैयार नहीं थे, तो योजना के लाभार्थियों को बड़े अस्पतालों जैसे मेदांता गुड़गांव, नारायणा बैंगलोर, जसलोक मुंबई आदि में बेहतर इलाज कैशलैस में नहीं मिल पा रहा था। अतः उनको स्वयं खर्च कर बाद में रीइंबर्शमेंट क्लेम करना पड़ता था, जो CGHS की दरों पर होता था। इसलिए उन्हें खर्च की गई राशि का केवल 30 से 40% ही मिल पाता था। इन समस्याओं के निदान के लिए इन अस्पतालों को उनके हॉस्पिटल रेट में अनुबंध करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। पर इनकी दरें ज्यादा थी, अतः सह-भुगतान (co pay) का कांसेप्ट लाया गया है, जिसमें मरीज 20 से 40% देना होगा। शेष राशि (60से 80%) योजना के तहत वहन की जाती हैं और इलाज में कोई वार्ड किराए या इलाज की उपसीमा का ज्यादा कोई झंझट नहीं रहेगा। और कैशलैस सुविधा भी मिलेगी। इलाज पूरा होने के बाद विडाल आपको सूचित करेगा कि आपको कितना पैसा को-पे के रूप में जमा करना है। किस अस्पताल में इलाज करने पर कितना को-पे देना पड़ेगा, इसकी जानकारी मोबाइल ऐप में उपलब्ध है।

3. दंत चिकित्सा हेतु इंप्लांट और फीलिंग की सुविधा को चालू किया गया है। अब कुल खर्च की सीमा विकल्प 1 के लिए रू 15,000 और विकल्प 2 के लिए रू.10,000 प्रति परिवार प्रति वार्षिक कालखंड रखी गई है। अब इस सीमा के अंतर्गत एक से अधिक बार क्लेम किया जा सकेगा।

4. आयुष प्राकृतिक चिकित्सा में अधिकतम प्रतिपूर्ति विकल्प 1 के लिए 15 हजार और विकल्प 2 के लिए 10 हजार रुपये प्रति लाभार्थी प्रति वार्षिक कालखंड निर्धारित की गई है।

5. अब विकल्प 2 वालों को भी निवारक जांच (Preventive Health Check up) की सुविधा मिलेगी। अब सभी लाभार्थियों को यह सुविधा 2 वर्ष में एक बार ही मिलेगी।

6. सीजीएचएस दरों में सूचीबद्ध अस्पताल में गैर-सीजीएचएस दर में कोई भी आधुनिक उपचार (रोबोटिक आदि) /हाई एंड डायग्नोस्टिक अब 25% को-पे के साथ मिल सकेगी।

7. मोतियाबिंद के ऑपरेशन में अब 20,000 एमआरपी तक का लेंस लगवा सकते हैं। अब अधिकतम खर्च रू 25,000 प्रति नेत्र की दर से रु 50,000, दो आंखों के लिए, प्रति परिवार प्रति वार्षिक कालखंड में मिल सकेगा।

8. 6 Online परामर्श प्रति परिवार प्रति तिमाही की अनुमति cashless me है।

9. लगभग 10 आर्थो प्रोसीजर के रेट बढ़ाए गए हैं ।



POWER SECTOR ROUND UP 2

- Vinay Pandey
S.E. CSPGCL
Raipur

Policy Interventions

1. Your EV battery may soon come with an Aadhaar number in the form of numeric barcode containing information about manufacturing year, lithium import, electrode materials, cell localization, manufacturing history, battery chemistry, battery capacity, manufacturing location and battery potting. The suggestion is part of the e-Mobility R&D Roadmap.
2. In pursuance of Carbon Credit Trading Scheme, 2023 ("CCTS") notified by GoI on June 28, 2023, on 22nd July, BEE has issued 'Detailed Procedure for Compliance Mechanism under the CCTS' and the 'Accreditation Procedure and Eligibility Criteria for Accredited Carbon Verification Agency'.

Break-Through

3. On July 15th, Mingyang Smart Energy, maker of the world's largest wind turbines, unveiled its latest gigantic creation - The "OceanX" – world's first – and largest – floating single-platform, two headed, deep-water behemoth capable of generating power even during Cat 5 hurricanes. It's twin counter-rotating rotors with blade diameters of 597 ft weigh about 16,500 tons and is designed to function in waters over 115 ftdeep. Rated output is 16.6 MW with expected generation of 54 MU.
4. The AUSC technology, for the first 800 MW AUSC plant at Sipat, announced in the budget, has been developed indigenously by Indira Gandhi Centre for Atomic Research, BHEL and NTPC. It's efficiency is expected to be 46% in comparison to 32% of sub-critical & 42 to 44% of supercritical & ultra supercritical plants, CO2 emission will also reduce by 10-15%.
5. In a big development for the second stage of India's three-stage nuclear programme, Atomic Energy Regulatory Board (AERB) has given approval, for operationalising the reactor by loading of fuel assemblies and initiating the chain reaction at 500MWe Prototype Fast Breeder Reactor (PFBR) at Kalpakkam. The PFBR has been developed by BHAVINI (BharatiyaNabhikiyaVidyut Nigam Limited).
6. In a first of its kind, Power Grid announced plans for interconnecting 'pulling station' at Bhuj with countries in the Middle East by a 2,500 MW capacity HVDC under-sea cable. The project will cost Rs 35,000-40,000 crore and will take up to six years to complete. Company is in discussions with Oman, Saudi Arabia, and UAE.

Legal & Regulatory

7. Union Environment Ministry has slapped a fine of Rs 409 crore on NTPC. It's MDO Thriveni-Sainik Mining PVt Ltd, operated illegally on 156 hectares of forest land in Hazaribagh district of Jharkhand and additionally altered the direction of the Dumuhana stream, which was to be preserved as greenbelt..
8. Out of the total 10 bids received by banks, for KSK Mahanadi power company, Adani tops the list with ₹27,000 Cr, bid. Other bidders include Capri Global, Coal India, NTPC, Vedanta, JSW Energy, JSPL etc.

Commercial

9. With price discovery of about Rs 3.41/ unit, SECI's 1200 MW Solar with 1200 MWh BESS tenderunder BOO mode, floated in March this year, turned up a surprise. It beats the recent price discoveries from plain RE hybrid tenders and is almost at a discount of 1 Rs. when considered with peak power tender.
10. BHEL announced LOI from DVC for 2X800 MW Koderma Phase-II TPS. The EPC contract, valued at over ₹10,000 crore (excluding taxes and duties) includes supply of BTG and associated auxiliaries along with Electrical, C&I and BoP packages with Erection and Commissioning & Civil works. The project, awarded through ICB is to be completed in 52 month.
11. In recently concluded e-Reverse Live Auction (RLA) of SECIs 630 MW ISTS Firm and Dispatchable Renewable Energy (FRDE) tender (solar + storage), tariff discovered is Rs 4.98 / KWh.
12. On 7th August SJVN Green Energy Limited (SGEL) commissioned 90 MW Omkareshwar Floating Solar Project, the largest floating solar park in India. The project developed on BOO basis. Cost is Rs 646.20 Cr and with 1styrexpected generation of 196.5 MU tariff is Rs 3.26/ unit. The bidding was conducted by REWA Ultra Mega Solar Limited (RUMSL) with MPPMCL is purchaser.

The Challenges

13. As per IEA, Power hungry Data centres will be big demand drivers in coming years. Presently, globally they constitute about 1.5% of demand which is expected to rise to 8% by 2030. In India, as data centre growth is even higher paced, the 2023 power demand is expected to double by 2026. If all power required is to be met by RE, in India, by 2030, about 20 GW Solar capacities will be needed.

बिजली के साथ
सबका विकास

CSPDCL

कृषि पंप ऊर्जीकरण

- किसानों को सिंचाई पंप कनेक्शन सुलभ कराने हेतु अनुदान देने की योजना
- सिंचाई पम्पों के ऊर्जीकरण हेतु आवश्यक विद्युत लाइनों के विस्तार के लिए प्रावधान
- किसानों को सिंचाई पंप कनेक्शन एवं जल संसाधन विभाग द्वारा निर्मित एनीकट तथा राज्य में नदी-नालों के किनारे पम्पों के लिये आवश्यक विद्युत लाइन की स्थापना हेतु अनुदान की राशि प्रति पंप 1,00,000 रु.
- इस राशि में बचत होने पर 1,50,000 रु. तक के लाइन विस्तार के कार्य किये जाने का प्रावधान
- अब तक 5,57,219 कृषि पंपों का ऊर्जीकरण



वर्ष 2024-25 हेतु राज्य शासन के बजट में 200 करोड़ रुपये का प्रावधान



state power comp PR